खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 11 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-159

निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष पूर्ण होने पर बोले पीएम

विफलता कांग्रेस की, कलंक हिंदुओं पर

नयी दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर 12 वर्ष पूरा करने पर देश की जनता को नमन किया है। इसके साथ ही धीमी विकास दर के लिए उन्होंने कांग्रेस को फटकार लगाई है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस राज में धीमी विकास की रफ्तार को बड़ी चतुराई से 'हिंदू ग्रोथ रेट' का नाम दे दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि ये कार्यशैली कांग्रेस की थी, दायित्व कांग्रेस का था, असफलता कांग्रेस की थी लेकिन कलंक देश की बड़ी हिंदू आबादी के नाम लगाया गया। जबकि असल में इस कुसंस्कृति का नाम होना चाहिए था कांग्रेस ग्रोथ रेट। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के पहले के कई दशक बहुत अस्थिरता और उथल-पुथल से भरे हुए थे। इसका देश को बहुत नुकसान भी उठाना पड़ा लेकिन अब देश की जनता एक स्थिर सरकार का काम भी देख रही है और उसकी निर्णायक क्षमताओं की प्रशंसक भी है। मैं आज देश की महान जनता को नमन करता हूं, जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवी में एक नई आशा का उदय हुआ है। इस आशा का इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का बहुत बड़ा दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपने भरोसा हमें सौंपा था। मुझे आज संतोष है गर्व है कि एनडीए परिवार के तौर पर हमने देश के विश्वास को हमेशा और मजबूत किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के 12 वर्षों की सफलता को गिनाते हुए कहा कि देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ है। कांग्रेस ने देश को लाचारगी, बेचारगी और हीन भावना के गर्त में गिरा दिया था।

उन्होंने आगे कहा, देश को यह एहसास कराया जाता था कि भारत में विकास धीरे-धीरे ही होता है, भारत में तेज विकास संभव ही नहीं है और बड़ी ही चतुराई से धीमी विकास को एक नाम दिया था, हिंदू ग्रोथ रेट यानी कार्यशैली कांग्रेस की, दायित्व कांग्रेस का, विफलता कांग्रेस की लेकिन कलंक देश की बड़ी हिंदू आबादी के नाम लगाया गया जबकि असल में इस कुसंस्कृति का नाम होना चाहिए था कांग्रेस ग्रोथ रेट। इस कांग्रेस ग्रोथ रेट में न सुशासन था, न नीति, न नीयत और ना निर्णय।

2004 में फिर अस्थिरता के बवंडर में फंसा देश

2004 की एनडीए की हार को याद करते हुए आगे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, पहली बार अटल जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार आई तब जाकर हमें एक झलक दिखी कि विकास में गति कैसे आती है लेकिन दुर्भाग्य से 2004 में देश फिर से अस्थिरता के बवंडर में और कांग्रेस के शिकंजे में फंस गया। विकास तो दूर की बात है, देश को कांग्रेस ने एक के बाद एक हजारों करोड़ों रुपये के घोटालों में घसीट दिया। देश का भाग्य फिर तब बदला जब 2014 में एनडीए की सरकार बनी। देश ने देखा कि जब नीयत, नीति और निर्णय तीनों एक साथ काम करते हैं तो विकास की गति कैसी होती है... ।

कांग्रेस ग्रोथ रेट और एनडीए ग्रोथ रेट का अंतर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सवाल ये है कि अगर 12 साल में इतना कुछ हो सकता है तो फिर दशकों तक क्यों नहीं हुआ? ये कांग्रेस ग्रोथ रेट और एनडीए ग्रोथ रेट का अंतर है। ▶8पर

दुनिया भर के नेताओं ने मोदी को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार 10 जून को एक नया इतिहास रच दिया है। वह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के पद पर रहने वाले देश के पहले राजनेता बन गए हैं। इस शीर्ष पद पर उनके लगातार कार्यकाल के आज 4,399 दिन पूरे हो गए हैं, जिसके साथ ही उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड (4,398 दिन) को पीछे छोड़ दिया है।

ट्रंप ने कहा- मेरे दोस्त मोदी बेहतरीन प्रधानमंत्री

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अमेरिका, रूस, इजरायल समेत दुनिया भर के दिग्गज नेताओं ने पीएम मोदी को बधाई दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने पर बधाई। वे सच में एक बेहतरीन प्रधानमंत्री हैं। वे एक मजबूत, स्वस्थ और समझदार व्यक्ति हैं, और आने वाले कई सालों तक वे महानता और सफलता हासिल करते रहेंगे।

वहीं रूस ने उन्हें सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों का डोयेन यानी सबसे वरिष्ठ, सम्मानित या अनुभवी व्यक्ति करार दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, आज, 10 जून को प्रधानमंत्री मोदी सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों के डोयेन बन गए हैं। एक साधारण परिवार से आने वाले मोदी का करियर उन्हें दुनिया के सबसे बड़े देश के नेता के पद तक ले गया।

रूस ने कहा- मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

पेसकोव ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया और भारत आज दुनिया की सबसे तेज आर्थिक विकास दर वाली प्रमुख आर्थिक महाशक्ति बन गया है। उन्होंने भारत-रूस संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि मॉस्को को उम्मीद है कि पीएम मोदी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और संवेदनशील क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे। वहीं इजरायली पीएम नेतन्याहू ने वीडियो शेयर करते हुए पीएम मोदी को बधाई दी।

यूरोपीय संघ और वैश्विक नेताओं ने दीं शुभकामनाएं

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, आपके नेतृत्व में भारत ने न केवल चंद्रमा पर कदम रखा, बल्कि अब वह सितारों को छूने की ओर अग्रसर है। हमारे बीच टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और रक्षा से लेकर व्यापारिक समझौतों तक जो कुछ भी हासिल हुआ है, उसके लिए धन्यवाद।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हाल ही में शुरू हुई भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख करते हुए मोदी को बधाई दी। वहीं जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने की इच्छा जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों में नई शुरुआत हो रही है और वह दोनों देशों की समृद्धि के लिए मोदी के साथ काम करने को उत्सुक हैं। ▶8पर

पीएम को शुभेंदु ने परोसी झालमुड़ी एनडीए नेताओं ने भी चखा स्वाद

दिल्ली के भारत मंडपम में बुधवार को आयोजित एनडीए कॉन्क्लेव में एक तरफ राजनीति, सरकार के 12 साल और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अलग अंदाज भी देखने को मिला। प्रधानमंत्री मोदी बैठक के दौरान बंगाल के मशहूर स्ट्रीट फूड झालमुड़ी का स्वाद लेते नजर आए। दिलचस्प बात ये कि बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी झालमुड़ी परोस रहे थे।

इस वीडियो को खुद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद यह चर्चा का विषय बन गया। दरअसल, एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने और नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार चुने गए प्रधानमंत्री बन रहने के मौके पर बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें पश्चिम बंगाल की पहचान बन चुके मशहूर स्नैक झालमुड़ी का भी जिक्र हुआ और पीएम ने इसका एक बार फिर स्वाद लिया। ▶8पर

एसआईआर : मैपिंग में आ रही दिक्कतों पर भड़के ओवैसी

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वोटर लिस्ट के अपडेशन और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। ओवैसी ने वोटर लिस्ट में परिवारों की मैपिंग के दौरान आ रही दिक्कतों और बच्चों की संख्या को लेकर चल रही बहस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि भारत के संविधान में ऐसा कोई कानून नहीं है जो किसी नागरिक को ज्यादा बच्चे होने की वजह से वोट डालने के अधिकार से वंचित करता हो।

हैदराबाद में लोगों को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, वोटर लिस्ट मैपिंग के दौरान यह कहा जा रहा है कि वे 5 से ज्यादा बच्चों को मैप नहीं कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, मेरे खुद के 6 बच्चे हैं। अगर किसी के 6 बच्चे हैं, तो गलती आपकी (अधिकारियों की) है। देश में ऐसा कोई कानून नहीं है जो यह कहे कि 6 बच्चे होने पर कोई वोट नहीं डाल सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खुद भाई-बहन मिलाकर 6 हैं, गृह मंत्री अमित शाह का परिवार भी बड़ा है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार में भी कई सदस्य हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदान एक संवैधानिक अधिकार है ▶8पर

अमेरिकी हमले में 3 भारतीय लापता

इंडिया ने यूएस राजनयिक को किया तलब

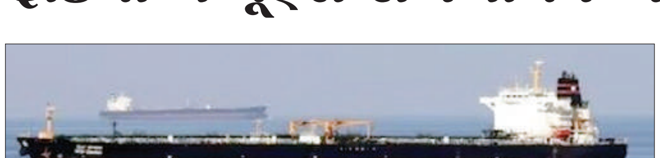

नयी दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे। इनमें से 24 भारतीय थे। दुखद बात यह है कि इस हमले के बाद 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं, जबकि 21 भारतीयों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये घटना 10 जून की है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की है।

जिस जहाज पर हमला किया गया है उसका नाम सेटेबेलो है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से अब तक 21 भारतीयों को बचा लिया गया है और तीन भारतीय लापता बताए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चल रहे खोज और बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है। रॉयटर्स ने ब्रिटिश मैरीटाइम सिक्योरिटी ग्रुप एम्ब्रे के हवाले से लिखा है कि, यह शायद ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी करने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन का नतीजा था। पहले भी क्रू को चेतावनी दी गई है कि हमले की स्थिति में वे जहाज के पिछले हिस्से के बजाय अगले हिस्से (बो) पर इकट्ठा हों।

मैरीटाइम सिक्योरिटी से जुड़े एक और सूत्र ने भी कहा कि हो सकता है कि जहाज पर अमेरिकी मिसाइल से हमला हुआ हो। वहीं इस मामले में भारत ने बुधवार को नई दिल्ली में अमेरिका के चार्ज डी अफेयर्स को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी (अमेरिका) नागराज नायडू ने टैंकर सेटेबेलो पर हुए हमले के बाद अमेरिका के ▶8पर

मध्य पूर्व में तनाव चरम पर

अमेरिका ने ईरान पर किए सैन्य हमले

नयी दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। जून 2026 में ईरान और अमेरिका के बीच नई जंग छिड़ गई है। ईरान के ड्रोन ने अमेरिकी आर्मी के अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया, जिसके जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए।

इसके बाद ईरान के आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस पर ड्रोन हमला करने का दावा किया है। खाड़ी क्षेत्र में फिर से युद्ध की आग भड़क उठी है। सभी कुछ एक दिन पहले शुरू हुआ जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास अमेरिकी सेना का अपाचे हेलिकॉप्टर मार गिराया गया। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने इसे ड्रोन से हमला करके गिराया। हेलीकॉप्टर में सवार दोनों क्रू सदस्य पानी में गिर गए, लेकिन अमेरिकी नौसेना के समुद्री ड्रोन सारोनिक कोर्सेर ने उन्हें सुरक्षित बचाया। यह घटना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई, जिसे अमेरिका ने अनुचित आक्रामकता बताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर सेंटकॉम ने तुरंत कार्रवाई की। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^{0}
न्यूनतम : 27^{0}

टीएमसी में बड़ा राजनीतिक भूचाल

19 सांसदों के बागी होने का दावा, शत्रुघ्न सिन्हा और यूसुफ पठान का नाम भी शामिल

नयी दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय बड़ा घटनाक्रम सामने आया जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 19 लोकसभा सांसदों के बागी खेमे में शामिल होने का दावा किया गया। इन सांसदों में अभिनेता-राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान का नाम भी शामिल बताया जा रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर अलग संसदीय गुट बनाने की प्रक्रिया शुरू की है। बताया जा रहा है कि बागी खेमे का नेतृत्व काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। बागी सांसदों का दावा है कि उनके साथ टीएमसी के दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है, जिससे वे दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों से बचने की स्थिति में आ सकते हैं।

बागी खेमे में शामिल बताए जा रहे सांसदों में काकोली घोष दस्तीदार (बारासात), जगदीश चंद्र बसुनिया (कूचबिहार), खलीलुर रहमान (जंगीपुर), यूसुफ पठान (बहरामपुर), अबू ताहिर खान (मुर्शिदाबाद), पार्थ भौमिक (बैरकपुर), बापी हलदार (मथुरापुर), सायोनी घोष (जादवपुर), माला रॉय (कोलकाता दक्षिण), मिताली बाग (आरामबाग), दीपक अधिकारी (घाटाल),

कालीपद सोरेन (झाड़ग्राम), जून मालिया (मेदिनीपुर), अरूप चक्रवर्ती (बांकुड़ा), डॉ. शर्मिला सरकार (वर्धमान पूर्व), शत्रुघ्न सिन्हा (आसनसोल), असित कुमार माल (बोलपुर), शताब्दी रॉय (बीरभूम) और रचना बनर्जी (हुगली) के नाम शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, बागी सांसदों ने फिलहाल टीएमसी से औपचारिक इस्तीफा देने या भाजपा में शामिल होने का निर्णय नहीं लिया है। वे एनडीए को समर्थन देने वाले एक अलग संसदीय समूह के रूप में काम करना चाहते हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस संबंध में अवगत करा दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के साथ अब भी महुआ मोइत्रा, सौगत रॉय, प्रतिमा मंडल, अभिषेक बनर्जी, सुदीप बंदोपाध्याय, प्रसून बनर्जी, सजदा अहमद, कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद जैसे सांसद जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। टीएमसी को राज्यसभा में भी झटका लगा है। राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले वरिष्ठ सांसद सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी छोड़ चुके हैं। रिपोर्टों में सुष्मिता देव के भाजपा में शामिल होने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं।

इस बीच बागी खेमे के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनके गुट के साथ अब 64 विधायक हैं और यह संख्या आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कांग्रेस में विलय की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि उनका गुट स्वयं को असली तृणमूल कांग्रेस मानता है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

युद्ध की मार से जूझते ईरान में खाद्य वस्तुओं की कीमतें बेतहाशा बढ़ीं

तेल, अंडे और चावल हुए महंगे तो दवाओं और जरूरी सामानों का भी गहराया संकट

तेहरान

इजराइल और अमेरिका के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद ईरान में युद्ध का असर अब आम लोगों की जिंदगी के हर पहलू पर दिखाई देने लगा है। बढ़ती महंगाई, दवाओं की कमी, उत्पादन ठप होने और रोजगार संकट ने देश की आर्थिक स्थिति को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है।

हालात ऐसे हैं कि लोगों की आय महीने के बीच में ही खत्म हो रही है और कई परिवार राशन तथा रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी किस्तों पर खरीदने को मजबूर हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेहरान के बुजुर्ग सरकारी कर्मचारी बताते हैं कि उन्होंने मोहल्ले की दुकान से उधार राशन लिया था, लेकिन अगले दिन भुगतान करने पहुंचे तो सामान का बिल लगभग दोगुना हो चुका था। स्थानीय लोगों के अनुसार युद्ध के बाद महंगाई इतनी तेजी से बढ़ी है कि सामान्य परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। युद्ध के बाद से देश में आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में रिकार्ड वृद्धि दर्ज की गई है।

कुकिंग आयल के दाम 430 प्रतिशत, अंडा 345 प्रतिशत तो चावल 287 प्रतिशत और दूध के 139 प्रतिशत तक दाम बढ़ गए हैं। तेहरान, इस्फहान, अहवाज और मशहद जैसे प्रमुख शहरों में लोग अब बमबारी से अधिक रसोई के खर्च और भविष्य की अनिश्चितता को लेकर चिंतित हैं।

इजरायली अमले के बाद शुरु हुआ युद्ध तो लोगों को लगा यह जल्द समाप्त हो जाएगा। इसी दौरान अमेरिका की एंट्री ने युद्ध को लंबा चलने वाला बना दिया। शुरुआती दौर में कुछ लोगों को उम्मीद थी कि हालात राजनीतिक बदलाव की दिशा में बढ़ेंगे, लेकिन समय बीतने के साथ आम नागरिकों का ध्यान अब केवल शांति और स्थिरता की ओर केंद्रित हो गया है। सरकार की आलोचना करने वाले भी अब इस बात को लेकर मुखर हो रहे हैं।

बहरहाल युद्ध का असर औद्योगिक उत्पादन और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ा है। मशहद के पास एक फैक्ट्री प्रबंधन के अनुसार कच्चे माल की कमी के कारण उत्पादन बंद करना पड़ा और कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। वहीं इजराइली हमलों से पेट्रोकेमिकल उद्योग भी प्रभावित हुआ है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थिति और गंभीर बताई जा रही है। डाक्टरों के अनुसार फार्मेसियां अब दवाएं सीमित मात्रा में दे रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सकों को केवल अत्यावश्यक दवाएं लिखने की सलाह दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, हीमोफीलिया मरीजों के लिए आवश्यक दवाओं का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है, जबकि आयात में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध और आर्थिक संकट के इस दोहरे दबाव ने ईरान के आम नागरिकों के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का दावा- ईरान ने अमेरिकी सैन्य हेलिकाप्टर मार गिराया, जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक अमेरिकी सैन्य हेलिकाप्टर को ईरान ने मार गिराया। उन्होंने कहा कि इस घटना को अमेरिका गंभीरता से ले रहा है और इसका उचित जवाब दिया जाएगा। ट्रंप के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुआ हेलिकाप्टर अमेरिकी सेना का एएच-64 अपाचे था। हालांकि हेलिकाप्टर के दोनों पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया और उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने घटना के लिए सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अमेरिका इस मामले पर चुप नहीं बैठेगा। उधर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हाकिन्स ने बताया कि बचाव अभियान में पहली बार एक मानवरहित ड्रोन नौका का इस्तेमाल किया गया। उनके अनुसार, हेलिकाप्टर के समुद्र में गिरने के बाद ड्रोन नौका ने दोनों पायलटों का पता लगाया और लगभग दो घंटे तक पानी में रहने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कैप्टन हाकिन्स ने कहा कि यह अभियान आधुनिक सैन्य बचाव तकनीक के उपयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने बताया कि ड्रोन नौका ने कठिन परिस्थितियों में भी तेजी से पायलटों तक पहुंचकर उनकी जान बचाने में मदद की। हालांकि ईरान की ओर से इस अमेरिकी दावे पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पीओके में बवाल: प्रतिबंध के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की फायरिंग में कई मौतें

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। क्षेत्र में सक्रिय जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा की गई फायरिंग में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने 6 जून को जेएएसी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगाया था। इसके विरोध में पीओके के विभिन्न शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह संगठन स्थानीय लोगों के आर्थिक और नागरिक अधिकारों की आवाज उठा रहा था और उस पर लगाया गया प्रतिबंध लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। हिंसक झड़पों के बाद हालात और बिगड़ गए। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है और 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई इलाकों में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है और स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस घटनाक्रम पर भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने पीओके में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग की निंदा करते हुए इसे पाकिस्तान द्वारा अपनी प्रशासनिक विफलताओं को छिपाने का प्रयास बताया है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र के लोगों के अधिकारों और सुरक्षा का सम्मान किया जाना चाहिए।

नैतिकता की पराकाष्ठा: बेटे ने मां संग बनाया रिश्ता, छोड़ा परिवार

लंदन। नैतिकता और सामाजिक मर्यादा की सारी हदें पार कर ब्रिटेन में ऐसी चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरी दुनिया को हिला दिया है। एक विवाहित युवक ने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ अपनी सगी जैविक मां के साथ नया जीवन शुरू किया है। यह शर्मनाक मामला न सिर्फ ब्रिटेन बल्कि वैश्विक स्तर पर बहस और निंदा का केंद्र बन गया है, जिसने मानवीय मूल्यों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल दिल दहला देने वाली कहानी की शुरुआत किम वेस्ट से होती है, जिन्होंने 19 साल की उम्र में कैलिफोर्निया में पढ़ाई के दौरान बेन फोर्ड को जन्म दिया था। जन्म के एक हफ्ते बाद, बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ किम ने बेन को गोद देने का फैसला कर वापस यूनाइटेड किंगडम लौट गईं। करीब 30 सालों तक मां और बेटे के बीच कोई संपर्क नहीं रहा। साल 2013 में, बेन, जो तब अमेरिका के कोलोराडो में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था, अपने जैविक माता-पिता को खोजने की कोशिश करने लगा। कड़ी मशक्कत के बाद सफलतापूर्वक किम वेस्ट का पता लगाकर संपर्क साधा।शुरुआत में, मां और बेटे के बीच की बातचीत पत्रों और फोन काल्स तक सीमित थी, लेकिन साल 2014 में जब दोनों पहली बार आमने-सामने मिले, तब जो हुआ वह अप्रत्याशित था।

ईरान-अमेरिका की लड़ाई पहुंची बहरीन, मनामा में यूएस नौसेना केंद्रीय कमान मुख्यालय पर ड्रोन हमला

तेहरान/मनामा/वाशिंगटन

ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी जंग फारस की खाड़ी पर स्थित बहरीन की राजधानी मनामा तक पहुंच गई है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी ईरान पर हुए अमेरिकी हमलों के जवाब में बुधवार तड़के (यूएई समयानुसार) बहरीन की राजधानी मनामा में स्थित अमेरिकी नौसेना केंद्रीय कमान मुख्यालय पर ड्रोन हमला किया है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कहा कि उसने मंगलवार को आत्मरक्षा के जवाब में दक्षिणी ईरान पर हमले किए। यह कार्रवाई सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर अमेरिकी लड़ाकू हेलीकाप्टर अपाचे को मार गिराए जाने के जवाब में की गई ।

रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान में अधिकारियों ने कहा कि किसी भी हमले से निपटने के लिए ईरान की वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि ईरान ने बुशहर के ऊपर एक हेलिकाप्टर और एक अमेरिकी ड्रोन (एमक्यू-9) को मार गिराया है। इस बीच आईआरजीसी और खतम अल-अंबिया मुख्यालय ने पुष्टि की है कि कुछ अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए गए हैं। दोनों ने सिर्फ एक स्थान किया जिक्र किया है। वह है- बहरीन की राजधानी मनामा स्थित अमेरिकी नौसेना केंद्रीय कमान मुख्यालय। खास बात यह है कि ईरान में खतम अल-अंबिया महत्वपूर्ण सैन्य कमान है। खतम अल-अंबिया को आईआरजीसी के तहत देश के सशस्त्र बलों, पारंपरिक सेना और खुफिया एजेंसियों के बीच सैन्य परिचालन और रणनीतिक रक्षा एवं आक्रामक अभियानों के समन्वय का सर्वोच्च केंद्र कहा जाता है।

अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि ईरान ने कितने ड्रोन से मनामा स्थित अमेरिकी नौसेना केंद्रीय कमान मुख्यालय को निशाना बनाया है। यह भी साफ नहीं किया गया कि क्या इस हमले में मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ या नहीं। खतम अल-अंबिया मुख्यालय के बयान में मूल रूप से यह कहा गया है कि देश के दक्षिणी इलाकों में अमेरिकी सेना की आक्रामकता (जिसका बहाना उनका हेलीकाप्टर गिराया जाना था) के जवाब में देश की सेना और आईआरजीसी ने मिलकर इलाके में मौजूद कुछ अमेरिकी ठिकानों पर जबरदस्त हमला किया।

खतम अल-अंबिया के बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के विरुद्ध आक्रामकता दोहराई, तो इलाके में स्थित तमाम अमेरिकी ठिकानों पर और जोरदार और बड़े पैमाने पर हमले किए जाएंगे। सेंटकाम ने मंगलवार देररात कहा कि सोमवार को अपाचे हेलीकाप्टर को गिराए जाने के जवाब में ईरान पर आत्मरक्षा के लिए हमले किए गए। बदला पूरा कर लिया गया है। उधर, अपाचे के घटनाक्रम पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरानियों ने उस हेलीकाप्टर को मार गिराया जो होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। भगवान का शुक्र है कि दोनों पायलट सुरक्षित बचा लिए गए। उन्होंने कहा था कि इसका जवाब बहुत कड़ा होगा।

इस बयान से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ समझौता करने की कोशिशें अंतिम चरण में हैं और दो या तीन दिनों में समझौता हो सकता है। अपाचे की घटना के बाद बातचीत किस स्थिति में है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। उधर, इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी शहर टायर पर हुए नए हमलों में कम से कम आठ लोग मारे गए। ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि लेबनान में इजराइल के किसी भी नए हमले का वह जवाब देगा। तेहरान में अधिकारियों ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के दक्षिणी तट पर धमाकों के बाद अब स्थिति शांत है। अमेरिकी डिजिटल समाचार आउटलेट एक्सियोस ने रिपोर्ट दी है कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरान की अनेक वायु रक्षा और रडार प्रणाली पर हमला किया। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। उधर, बहरीन के गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि देश में अलर्ट जारी किया गया। आईआरजीसी ने अमेरिकी बेस पर हमला किया है। मंत्रालय ने एक्स पर कहा, सायरन बजाया गया है। नागरिकों और निवासियों से शांत रहने और निकटतम सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया जाता है। मध्य पूर्व में अमेरिकी बलों की देखरेख करने वाली अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम)) ने एक्स पर कहा कि ईरान से अपाचे को मार गिराने का बदला पूरा कर लिया गया है। अमेरिकी वायु सेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों से सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार साइटों पर हमला किया गया।

गुड्डे से शादी, गुड्डे पर बेवफाई का आरोप: ब्राजील की महिला की अनोखी कहानी में नया मोड़

ब्राजील

ब्राजील की मेइरीवोने रोचा मोराएस अपनी अनोखी कहानी के साथ फिर दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। कुछ समय पहले एक कपड़े के गुड्डे मार्सेलो से शादी कर सुर्खियों में आईं मेइरीवोने ने अब उसी गुड्डे पर बेवफाई का गंभीर आरोप लगाकर सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है।

यह अनोखा रिश्ता तब शुरू हुआ जब मेइरीवोने की मां ने उनकी खुशी और अकेलेपन से निपटने के लिए मार्सेलो नामक एक लाइफ-साइज रैग डाल बनवाया। मेइरीवोने ने धीरे-धीरे उस गुडडे से भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया और फिर एक पारंपरिक समारोह में मार्सेलो से शादी कर ली। इस शादी समारोह में बड़ी संख्या में मेहमान भी शामिल हुए थे, और इसकी तस्वीरें व वीडियो दुनियाभर में वायरल हुए थे। मेइरीवोने ने सार्वजनिक रूप से मार्सेलो के प्रति अपना गहरा प्रेम व्यक्त किया और यहां तक दावा किया कि उनके दो बच्चे भी हैं, जो वास्तव में गुड्डे ही थे, पर वह उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानती थीं।

हालांकि, हाल ही में इस कहानी में नया मोड़ तब आया जब मेइरीवोने ने मार्सेलो पर बेवफाई का आरोप लगा दिया। उनका दावा है कि जब वह अस्पताल में भर्ती थीं, तब उनके पति को एक दोस्त ने किसी दूसरी महिला के साथ देखा। इतना ही नहीं, उन्हें कथित बेवफाई के सबूत के तौर पर कुछ संदेश भी मिले। इस घटना से नाराज होकर, मेइरीवोने ने मार्सेलो को सजा के तौर पर सोफे पर सोने के लिए भेज दिया और पूरी घटना को सोशल मीडिया पर साझा कर दिया।

मनोवैज्ञानिक मामले को अकेलेपन, भावनात्मक लगाव और कल्पना की दुनिया से जोड़कर देखते हैं, जहां मेइरीवोने ने वास्तविक रिश्तों में निराशा के बाद गुड्डे को अपना साथी चुना। यह अनोखी घटना फिर सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन गई है, जो आधुनिक दौर में वास्तविकता और कल्पना के बीच की धुंधली होती सीमाओं को दर्शाती है। दुनिया भर के लोग अब भी घटना को हैरानी, मनोरंजन और जिज्ञासा के मिश्रण के रूप में देख रहे हैं।

नेपाल में भी भारतीय आमों पर रोक

काठमांडू। जापान के बाद अब नेपाल ने भारत से आम मंगाने पर रोक लगा दी है। नेपाल के अधिकारियों का कहना है कि जांच में कुछ खेपों में तय सीमा से ज्यादा कीटनाशक मिले। नेपाल सरकार के मुताबिक, यह फैसला खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन कराने के लिए लिया गया है। सरकार ने साफ किया कि इसका मकसद भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को प्रभावित करना नहीं है। रोक लगने से पहले करीब 15.8 मीट्रिक टन भारतीय आम नेपाल पहुंच चुके थे। इनकी कीमत लगभग 10 लाख नेपाली रुपये बताई गई है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब पिछले महीने जापान ने भी भारतीय आमों के आयात पर रोक लगाई थी। हालांकि जापान ने यह कदम कीटनाशकों की वजह से नहीं, बल्कि जांच और सफाई से जुड़े नियमों में कमी मिलने पर उठाया था। जापान के फैसले से अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी भारतीय आम की मशहूर किस्मों का निर्यात प्रभावित हुआ था।

अफ्रीकी लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान करता है गहरा काला रंग

लंदन

क्या आपको पता है, अफ्रीकी लोगों के लिए गहरा काला रंग प्रकृति का एक अद्भुत वरदान है। काला रंग उनकी त्वचा को वहां की अत्यंत तीव्र और हानिकारक धूप से एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारी त्वचा का रंग मेलेनिन नामक एक पिगमेंट (वर्णक) से निर्धारित होता है। मेलेनिन जितना अधिक होता है, त्वचा का रंग उतना ही गहरा होता जाता है। अफ्रीका के भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में सूरज की किरणें साल भर सीधी और बेहद तेज पड़ती हैं। यहां अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणों की मात्रा पृथ्वी पर सबसे अधिक होती है। मेलेनिन इन खतरनाक यूवी किरणों को प्रभावी ढंग से सोख लेता है और त्वचा को धूप से होने वाले नुकसान जैसे स्किन कैंसर, समय से पहले झुर्रियां पड़ना और अन्य गंभीर क्षति से बचाता है। यही कारण है कि अफ्रीकी मूल के लोगों में स्किन कैंसर की दर विश्व के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी कम पाई जाती है। यह लाखों सालों के विकास का परिणाम है, जब मानव जाति अफ्रीका से निकलकर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फैली, तो अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों के अनुसार उनकी त्वचा का रंग भी बदलता गया।

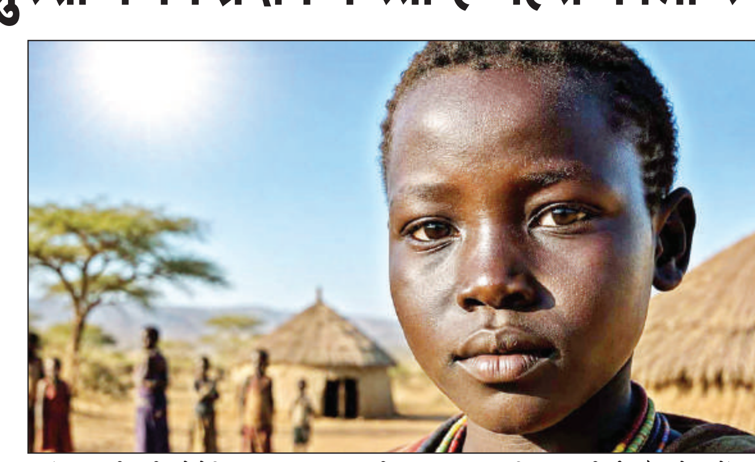

जिन क्षेत्रों में धूप कम थी, वहां शरीर में मेलेनिन का उत्पादन कम हुआ और रंग गोरा होता गया, ताकि शरीर विटामिन डी का पर्याप्त संश्लेषण कर सके। लेकिन अफ्रीका में, जहां सूरज की प्रचंडता बनी रही, मेलेनिन का उच्च स्तर भी बरकरार रहा।

यह प्रकृति का एक अनोखा और सटीक अनुकूलन है। काला रंग केवल एक रंग नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच है। मेलेनिन सीधे यूवी किरणों से डीएनए को होने वाले नुकसान से बचाता है, जिससे स्किन कैंसर का खतरा न्यूनतम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर में विटामिन डी के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि गहरे रंग की त्वचा वाले लोग तेज धूप में अपेक्षाकृत अधिक समय तक बिना किसी गंभीर नुकसान के रह सकते हैं। यह उनका प्राकृतिक आशीर्वाद है, जो उन्हें कठोर जलवायु में जीवित रहने और पनपने में मदद करता है। विकासवाद के सिद्धांत के अनुसार, अफ्रीका मानव सभ्यता का उद्गम स्थल है, और यहां की जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए गहरा रंग सबसे उपयुक्त विशेषता थी। जैसे-जैसे इंसान यूरोप और एशिया के ठंडे और कम धूप वाले क्षेत्रों की ओर बढ़े, शरीर को विटामिन डी की आवश्यकता के लिए कम मेलेनिन और गोरी त्वचा की जरूरत पड़ी। यह हजारों-लाखों सालों की एक जटिल प्रक्रिया थी। आधुनिक समय में भी काले रंग का यह जैविक लाभ महत्वपूर्ण बना हुआ है।

पीओके की आजादी को लेकर लंदन में लग रहे नारे... तेरा बाप भी देगा आजादी से गूंज रहा ब्रिटेन

लंदन

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सेना द्वारा की जा रही सैन्य कार्रवाई और दमनकारी नीतियों के खिलाफ ब्रिटेन में निवासरत कश्मीरी समुदाय और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने लंदन में जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी लंदन स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर एकत्र हुए और शाहबाज सरकार व सेना के खिलाफ नारेबाजी की, जिसमें क्षेत्र में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों का आरोप लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने पीओके में नागरिकों की हत्याओं, बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों और इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने का दावा किया, साथ ही आरोप लगाया कि लोगों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाया जा रहा है और आम आदमी के अधिकारों को कुचला जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान, पाकिस्तानी आर्मी गो बैक, हम छीन कर लेंगे आजादी, ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वर्दी है, और तेरा बाप भी देगा आजादी जैसे

सशक्त नारे गूंज उठे। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि पीओके में हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में तनाव और असंतोष चरम पर पहुंच गया है।

केवल लंदन ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के कई अन्य प्रमुख शहरों में स्थित पाकिस्तानी राजनयिक मिशनों के बाहर भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन आयोजित हुए। इन प्रदर्शनों में शामिल लोगों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पीओके की गंभीर स्थिति पर तत्काल ध्यान देने और वहां कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की स्वतंत्र जांच कराने की पुरजोर मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बैनर और पोस्टर लेकर पाकिस्तान सरकार की नीतियों का विरोध किया तथा वैश्विक संस्थाओं से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की।

पीओके में तनाव हाल के दिनों में तब बढ़ा जब जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगा दिया गया और उसके समर्थकों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। इसी पृष्ठभूमि में ब्रिटेन में बसे कश्मीरी मूल के लोगों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पीओके के लोगों के अधिकारों और उनकी राजनीतिक नेतृत्व की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि असंतोष को बातचीत के बजाय सुरक्षा बलों के जरिए दबाने की कोशिश की जा रही है। जेएएसी के विरोध की मुख्य वजह पीओके की विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया एक विवादास्पद फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो कश्मीर से जुड़े होने का दावा करते हैं, लेकिन वर्तमान में पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में रहते हैं। जेएएसी और अन्य स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस व्यवस्था से स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कमजोर होगा और बाहरी प्रभाव बढ़ेगा, जबकि क्षेत्र के भविष्य से जुड़े फैसलों पर अधिकार केवल वहां रहने वाले लोगों का होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दु:ख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जी-वनसाथी का प्यार सारे दु:ख-दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दखल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। गुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें – हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का-सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जून 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 10:39 तक
नक्षत्र : रेवती प्रात: 08:17 तक
योग : शोभन रात्रि 12:59 तक
करण : बव प्रात: 11:55 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रात: 08:17 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कमला एकादशी व्रत , अधिक मास चालू है , पंचक समाप्त प्रात: 08:17 से , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रसूलपुरा जैन मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सफल नेतृत्व पर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को सिकंदराबाद स्थित रसूलपुरा जैन मंदिर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं, अल्पसंख्यक मोर्चा पदाधिकारियों, जैन समाज के गणमान्य सदस्यों तथा कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती मूगा जयश्री, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा, भाजपा तेलंगाना सह-कोषाध्यक्ष विजय सुराणा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर में भगवान की स्तुति, धूप, दीप, चामर पूजा, आरती एवं मंगल दीपक की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना से हुई। यह धार्मिक अनुष्ठान मुकेश जैन चौहान द्वारा विधिवत संपन्न कराया गया। इसके पश्चात मंदिर परिसर के सभागार में एक सभा आयोजित की गई।

सभा में श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ जैन मंदिर संघ के महामंत्री सुधीर कोठारी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया।

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षीय कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने सुशासन, विकास, आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना निर्माण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने मोदी सरकार की उपलब्धियों और परिवर्तनकारी सुशासन की सराहना करते हुए राष्ट्र निर्माण एवं विकसित भारत के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा, बलबीर सिंह, समी खान, सरदार मोना सिंह 'मोना', सचिव मोहम्मद गजनी, मनमोहन सिंह एडवोकेट, सतीश हुंडिया, मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान, आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, टूर मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्ज़ा, सह-संयोजिका सविता रायसोनी, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र जैन, सरदार सतपाल सिंह, सरदार गुरदीप सिंह, साहेब सिंह, तरुण सोनी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ जैन मंदिर के सचिव सुधीर कोठारी, ट्रस्टी रमेश तातेड़, अविनाश भंडारी, विशाल भंडारी, संजय भाई, अजित भाई, अनिल भाई एवं अन्य गणमान्यजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा नेताओं ने की विशेष पूजा

बांसवाड़ा, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने मंगलवार को बांसवाड़ा शहर स्थित अयप्पा स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया।

इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आधुनिक आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोनाला गंगारेड्डी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए अनेक सुधारात्मक और दूरदर्शी निर्णयों ने देश की प्रगति का मजबूत आधार तैयार किया है। इन नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा है, जिससे भारत निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, शांति एवं समृद्धि के लिए विशेष पूजा की गई। साथ ही यह प्रार्थना भी की गई कि उन्हें देश को विश्व में अग्रणी स्थान दिलाने तथा देशवासियों के सुख, शांति और समृद्ध जीवन के लिए निरंतर कार्य करने की शक्ति प्राप्त हो। इस अवसर पर भाजपा शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी, भाजपा जिला सचिव शंकर गौड़, भाजपा शहर महासचिव उमेश, भाजपा वार्ड पार्षद गजाला महेश, भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण गुड्डू, गुंटला श्रीनिवास, चीकटलो राजू, चंद्रशेखर गौड़, पाशम, भास्कर रेड्डी, श्यामला श्रीकांत कोंडानी, गंगाराम प्रदीप महेंद्र, भाजपा मंडल महासचिव दत्तू सुधाकर तथा पुरुष-ोत्तम सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योजनाओं एवं नागरिक सुविधाओं पर किया गया जनजागरूकता अभियान

बांसवाड़ा, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार बांसवाड़ा नगर पालिका क्षेत्र में विशेष वार्ड बैठकों का आयोजन किया गया। सरकार द्वारा 4, 6, 8 और 10 जून 2026 को वार्ड स्तर पर विशेष बैठकें आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए थे।

इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष की अध्यक्षता में चार वार्डों में विशेष बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं, विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आमजन को जागरूक किया गया।

बैठकों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही जल संचय-जल भागीदारी योजना के अंतर्गत वर्षा जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण एवं जल संरक्षण के महत्व पर लोगों को जागरूक किया गया।

मॉनसून को ध्यान में रखते हुए सीवर लाइनों की सफाई, नालों की डी-सिल्टिंग, जलभराव रोकने के उपाय तथा मॉनसून एक्शन प्लान के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई। पीने के पानी की आपूर्ति एवं उसके बेहतर प्रबंधन से संबंधित विषयों पर भी जानकारी प्रदान की गई।

बैठकों में राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों, स्वयं सहायता समूहों (सेल्फ हेल्प ग्रुप्स) को सुदृढ़ बनाने की पहल, रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रमों तथा युवाओं के कल्याण से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई।

इसके अलावा ग्रामीण एवं शहरी आधारभूत संरचना विकास, सड़क एवं स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

बैठकों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा शिकायत निवारण व्यवस्था पर चर्चा की गई। साथ ही सेसपूल निर्माण, स्वच्छता प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी उपायों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

पोकर खेलते पांच जुआरी गिरफ्तार नकदी सहित दो मोटरसाइकिल जब्त

बांसवाड़ा, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के बोरलाम क्षेत्र में इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप स्थित एक खुली जगह पर पोकर खेल रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से 56,430 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन तथा दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं।

बांसवाड़ा थाना प्रभारी (स्टेशन हाउस ऑफिसर) ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल रहे पांच व्यक्तियों को पकड़ा। मौके से नकदी, मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें बरामद कर जब्त कर ली गईं।

पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बांसवाड़ा शहर एवं मंडल क्षेत्र के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी अवैध रूप से पोकर या अन्य प्रकार का जुआ खेला जा रहा हो, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान एवं विवरण पूरी तरह गोपनीय रखे जाएंगे तथा सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आमजन से सहयोग करने का आग्रह किया है।

उत्तम संस्कार ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला : पंडित मनोज त्रिवेदी

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगमपेट में परमपावन पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता को बाल्यकाल से ही अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। संस्कार ही मनुष्य के भविष्य का वास्तविक निर्माण करते हैं। यदि बालक संस्कारवान होगा तो वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति करेगा तथा उसका भविष्य उज्ज्वल बनेगा।

उन्होंने कहा कि धन-संपत्ति और भौतिक सुविधाएँ जीवन में सीमित सहायता प्रदान करती हैं, किंतु श्रेष्ठ संस्कार जीवनभर मनुष्य का मार्गदर्शन करते हैं। यदि किसी व्यक्ति के पास अच्छे संस्कार नहीं हैं तो अपार धन-संपदा भी उसे सही दिशा नहीं दे सकती। इसलिए माता-पिता का प्रथम कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को धर्म, सदाचार, विनम्रता, सेवा तथा नैतिक मूल्यों की शिक्षा दें।

पंडित श्रीमाली ने कहा कि संस्कारवान बालक ही आगे चलकर आदर्श नागरिक, श्रेष्ठ पुत्र तथा समाज और राष्ट्र का गौरव बनता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों को उत्तम संस्कारवान बनाने का पूर्ण प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यही उनकी सबसे बड़ी पूंजी और वास्तविक विरासत है।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं श्रद्धा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया तथा धर्म, संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े प्रेरणादायक संदेशों का लाभ प्राप्त किया।इस अवसर पर श्रीराम माहेश्वरी, मधु माहेश्वरी, सिद्धि नील जैन, संजय माहेश्वरी, उमा शाह, विजय शाह, विवेक शाह एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़कर सेवा और पुण्य का मिला अनुपम अवसर : अजय गुप्ता

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस प्रेम, समर्पण और निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना भी है। ऐसे पुण्य कार्यों में सहभागी बनना स्वयं में सौभाग्य की बात है।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से उन्हें सेवा के साथ-साथ पुण्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का जो प्रयास यह समूह कर रहा है, वह मानवता की मिसाल है। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, हरीश तोलाराम हिंदूजा, अजय गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, कली गुप्ता एवं तृषा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने तथा देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्रियों में शामिल होने के ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर पर भाजपा गोलकोंडा ज़िला द्वारा चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं प्रार्थना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं राष्ट्रसेवा के उनके संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने हेतु विशेष प्रार्थनाएँ की गईं। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और आने वाले वर्षों में भारत विश्व की अग्रणी शक्तियों में और अधिक मजबूती से स्थापित होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, चंद्रशेखर, श्रीधर, ज़िला समिति के सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या आप जानते हैं जनेऊ पहनने के इन पांच फायदो के बारे में

जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है।

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग जनेऊ पहने हुए होते हैं। यह तीन धागों वाला एक सूत्र होता है जो लडके के दस से बारह वर्ष की आयु हो जाने के बाद उसे पहनाया जाता है। जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है। लेकिन इसे पहनने से हमारे शरीर को कई बडे फायदे होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से जनेऊ पहनना बहुत ही लाभदायक है। यह केवल धर्माज्ञा ही नहीं, बल्कि आरोग्य का पोषक भी है, अत: इसको सदैव धारण करना चाहिए।

क्या है हिंदू धर्म जनेऊ पहनने का महत्व

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हृदय के पास से गुजरने से यह हृदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रुप से संचालित होने लगता है। ऐसे ही अनेको और भी बडे फायदे हैं जनेऊ धारण करने के जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान दें।

आइये जानें, क्या फायदे हैं जनेऊ पहनने के

यह बीमारियों से बचाता है

इसे पहनने वाले व्यक्ति को साफसफाई का काफी ध्यान रखना पडता है। अगर वह मल-मूत्र त्यागने गया है तो उसे जनेऊ को अपने कानों पर टांगना होगा और फिर हाथ पैर धो कर कुल्ला कर के ही जनेऊ को कानों से उतारता है। यह सफाई उसे दांत, मुंह, पेट, कृमि, जीवाणुओं के रोगों से बचाती है।

रक्त संचार बनें सुचारू

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है।

कान पर बांधने के फायदे

जब जनेऊ को कान पर बांधा जाता है, तो उससे स्मरण शक्ति बढती है। इसके अलावा ऐसा करने से कान के अंदर की नसें दबती हैं, जिनका संबंध सीधे आंतों से होता है।

नसों पर दबाव पडने से कब्जी की शिकायत नहीं होती और पेट अच्छे से साफहो जाता है।

बुरे कार्यो से बचाए

जनेऊ से पवित्रता का अहसास होता है। यह मन को बुरे कार्यों से बचाती है। कंधे पर जनेऊ है, इसका मात्र अहसास होने से ही मनुष्य भ्रष्टाचार से दूर रहने लगता है।

शुक्राणुओं की रक्षा होती है

जनेऊ को जब कान में लपेट जाता है तब कान की एक और नस दबती है, जिसका सीधा संबंध अंडकोष और गुप्तेंद्रियों से होता है। ऐसे में शुक्राणुओं की रक्षा होती है।

धर्म क्या है, क्या हम सब सही रूपों में इसे समझ पाए हैं

धर्म किसी एक या अधिक परलौकिक शक्ति में विश्वास और उसके साथ जुडी रिति, रिवाज, परम्परा, पूजा-पद्धति और दर्शन का समूह है । जिंदगी में हमें जो धारण करना चाहिए, वही धर्म है। नैतिक मूल्यों का आचरण ही धर्म है।

धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे चेतना का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को चरितार्थ कर पाता है। यह मनुष्य में मानवीय गुणों के विकास की प्रभावना है, सार्वभौम चेतना का सत्संकल्प है। मध्ययुग में विकसित धर्म एवं दर्शन के परम्परागत स्वरूप एवं धारणाओं के प्रति आज के व्यक्ति की आस्था कम होती जा रही है। मध्ययुगीन धर्म एवं दर्शन के प्रमुख प्रतिमान थे- स्वर्ग की कल्पना, सृष्टि एवं जीवों के कर्ता रूप में ईश्वर की कल्पना, वर्तमान जीवन की निरर्थकता का बोध, अपने देश एवं काल की माया एवं प्रपंचों से परिपूर्ण अवधारणा।

उस युग में व्यक्ति का ध्यान अपने श्रेष्ठ आचरण, श्रम एवं पुरुषार्थ द्वारा अपने वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान करने की ओर कम था, अपने आराध्य की स्तुति एवं जय गान करने में अधिक था। धर्म के व्याख्याताओं ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा माना तथा मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली के रूप में स्वीकार किया। दार्शनिकों ने व्यक्ति के वर्तमान जीवन की विपन्नता का हेतु कर्म-सिद्धान्त के सूत्र में प्रतिपादित किया। इसकी परिणति मध्ययुग में यह हुई कि वर्तमान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी को मान लिया गया। आज के युग ने यह चेतना प्रदान की है कि विकास का रास्ता हमें स्वयं बनाना है। किसी समाज या देश की समस्याओं का समाधान कर्म-कौशल, व्यवस्था-परिवर्तन, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, परिश्रम तथा निष्ठा से सम्भव है। आज के मनुष्य की रुचि अपने वर्तमान जीवन को सँवारने में अधिक है। उसका ध्यान भविष्योन्मुखी न होकर वर्तमान में है। वह दिव्यताओं को अपनी ही धरती पर उतार लाने के प्रयास में लगा हुआ है।

भगवान शिव की खंडित मूर्ति पूजा करने का रहस्य

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है।

हिंदू धर्म की मान्यता अनुसार किसी मूर्ति के खंडित होते ही उसे विसर्जित करने या किसी वटवृक्ष के पास रखा जाता है। ऐसा करने के पीछे सभी लोगों के अपने-अपने तर्क है। जहां एक ओर कुछ लोगों का मानना है कि भगवान की प्रतिमा में प्राण होते हैं इसलिए उनकी प्रतिमा टूट जाने पर उन्हें भी किसी भक्त की भांति ही पीडा होती है। दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि यदि हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाए तो हम उस चोट को यूं ही नहीं छोड देते बल्कि उसका उपचार करवाते हैं तो भला भगवान की प्रतिमा को खंडित होने पर उन पर बिना कोई ध्यान दिए मंदिर में कैसे रख सकते है। हम में से कई लोग मूर्ति और प्रतिमा को एक समान ही समझते हैं। दोनों के अर्थ में कोई अधिक अंतर नहीं है लेकिन भगवान की मूरत को प्रतिमा कहा जाता है, क्योंकि लोगों को विश्वास होता है कि भगवान की मूर्ति सजीव होती है। जबकि किसी कला, जीव आदि की बनाई हुई छवि को मूर्ति कहा जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में भगवान की मूरत को मूर्ति ही कहा जाता है। अब बात करें खंडित चीजों की तो, इनमें एक प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा होती है। लेकिन इन सभी तर्कों से परे भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जिनकी खंडित मूर्ति की भी पूजा होती है।

इसलिए होती है शिव की खंडित मूर्ति की पूजा

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए हर चीज की परिभाषा अलग है। शिव को निरंकारी माना जाता है। यानि शिव को वास्तव में किसी ने नहीं देखा है। तस्वीरों और मूर्तियों में उनका जो रूप दिखाई पडता है वो भक्तों की कल्पना मात्र है। इस प्रकार जिसका कोई आकार, रंग, रूप आदि न हो उसे भला क्या क्षति हो सकती है। महादेव का न तो आदि है और न ही अंत। इस प्रकार शिव की मूर्ति कितनी भी खंडित क्यों न हो जाए हमेशा पूज्यनीय होती है। साथ ही शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुख उत्तर दिशा होना सर्वश्रेष्ठ माना जाता

आइये जाने, हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम

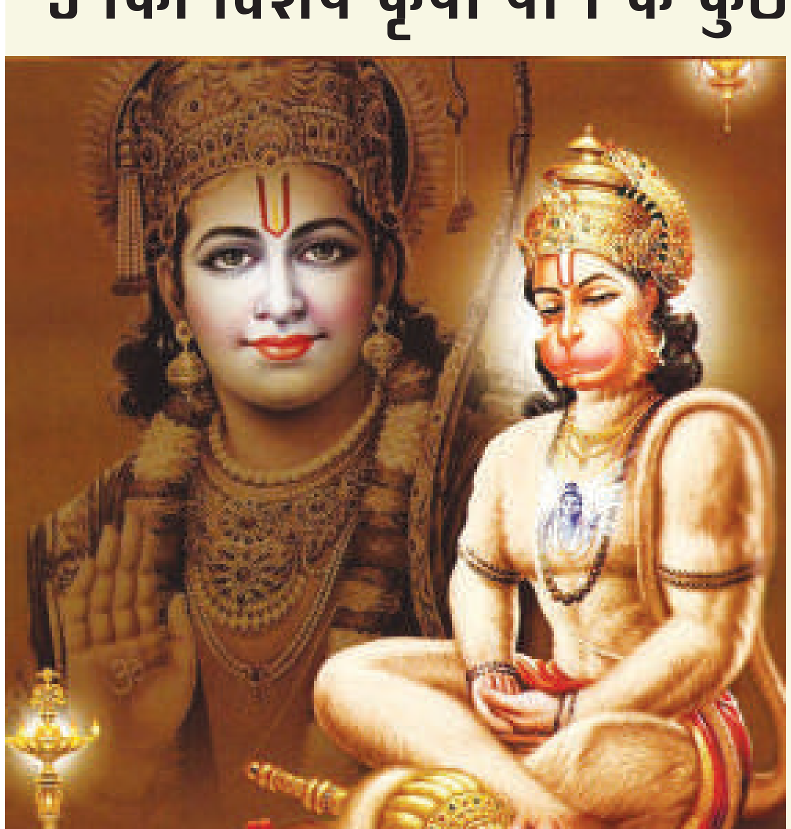

आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से समर्प्रित होकर याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है । हम जानते है की वो राम के परम भक्त है और खुद वानर है अत: प्रभु राम की भक्ति और वानरों को गुड चन्ने और केले का प्रसाद खिलाना , अचूक उपाय है हनुमान जी को खुश करने का इसके अलावा हनुमान जी को सिंदूर लगाना भी सबसे प्रिय पूजा के भागो में से एक है। श्री हनुमान पूजा हनुमान जी अपने माँ पिता के बडे लाडले थे अत: माँ अंजना और पिता केसरी के जयकारे से भी हनुमान प्रसन्न होते है। हर मंगलवार को अगर हो सके तो श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन कर। सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान से पढे। हनुमान भक्त के लिए राम और माँ जानकी की भी पूजा प्रसन्नता दायक है। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए।

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है

प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।
अहङ्कारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते॥

अर्थ : संपूर्ण कर्म सब प्रकार से प्रकृति के गुणों द्वारा किए जाते हैं। फिर भी जिसका अंतःकरण अहंकार से मोहित हो रहा है, ऐसा अज्ञानी 'मैं कर्ता हूं' यह मानता है।

भावार्थ :

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं होता कि सभी कर्म प्रकृति द्वारा ही किए जाते हैं। अज्ञानियों को यह भ्रम हो जाता है कि कोई कार्य उन्होंने स्वयं किया है। मान लें कोई मूर्तिकार सुंदर मूर्ति गढता है और उसमें यह अहंकार हो जाता है कि इस मूर्ति को मैंने रचा है।

दरअसल, मूर्तिकार ने जो संवेदना और कल्पना उस मूर्ति में डाली, वह उसकी भीतरी प्रकृति की देन थी। उसने जिन हाथों से उसे बनाया या जिन वस्तुओं को उसने प्रयोग किया, वे सब प्रकृति की ही देन हैं। फिर यह अहंकार करना कि यह मेरा है, व्यर्थ है। जिस क्षण यह अहंकार व्यक्ति के अंदर आ जाता है, उसकी कर्म की गुणवत्ता घटती जाती है।

वह उतना दत्तचित्त होकर कर्म नहीं कर पाता, जितना अहंकार रहित कर्म करने से होता है। अहंकार से व्यक्ति कर्म पर अपना अधिकार जमाने लगता है और जब वह कर्म उससे विमुख होता है, तो उसे पीडा पहुंचती है। इसलिए अहंकार रहित कर्म ही श्रेष्ठ है। मौन मन की शक्ति है।

यह ध्यान की ऊर्जा और सत्य का द्वार है। दैनिक जीवन में मौन के महत्व को पहचानने का प्रयास करें। सिर्फ श्वासों के आवागमन पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। मौन अवस्था में अपने जीवन का सिंहावलोकन कर ही अपने भविष्य का चिंतन करें।

वचन

हम वर्षों से व्यर्थ की बातें बोलते आए हैं। हमारे बोलने से न देश बदलता है और न समाज। यहां तक कि हमारी बातों का असर बगल में बैठे व्यक्ति पर भी लेश मात्र नहीं पडता है। फिर क्यों हम बोलकर निरंतर अपनी ऊर्जा खर्च करते रहते हैं। यदि जरूरत पडने पर बोला जाए, तो उसका दूरगामी प्रभाव होता है, पर ध्यान रहे कि जो भी बोलें, सकारात्मक बोलें।

कर्म

किसी क्षण में मिली जय-पराजय से विचलित हुए बिना हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। पराजय से ही हमारे मन में उत्कृष्ट विचार जन्म लेते हैं। यह हमें दृढनिश्चयी बनाता है और सफलता के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

हरड़ का सेवन रखें शरीर को तंदुरुस्त

हरड़ त्रिफला चूर्ण से बनी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। यह कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी होती हैं। इसे हरीतकी भी कहा जाता है। इसके सेवन से बहुत सारी बीमारियों से छुटकारा मिलता हैं। हरड़ पेट को साफ करने और पाचन तंत्र को सुधार कर इसे मजबूत करने का काम करती है। आयुर्वेद के अनुसार यह जड़ी-बूटी पोषक तत्वों का अच्छे से समावेश कर शरीर को स्वस्थ बनाती है।

इन कारणों से हो सकता है ब्रेन ट्यूमर

सिरदर्द होना आम बात है, जिसे लोग हमेशा हलके में लेते है। लेकिन ये सिर दर्द आपके ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है। यदि ऐसे स्थिति से आप गुजर रहे है तो तुरंत जांच कराएं अगर आपको सुबह उठकर उबकी या उल्टियां आती है, तो इसे हलके में बिल्कुल न लें। जब शरीर में मूवमेंट करने के दिक्कत आ रही हो, तो तुरंत जाकर जांच करवाइए। ऐसा तब होता है जब सेरिबैलम में ट्यूमर पनपने लगता है।

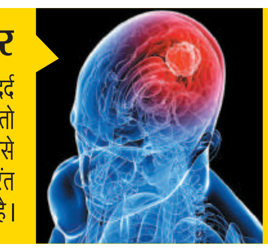

पैरों व टखनों की सूजन कम करने के उपाय

पैरों या टखनों की सूजन एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। इस समस्या में पैरों में सूजन व काफी दर्द होता है। इससे निपटने के लिए घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। जैसे गर्म पानी में पैर डुबोना, तेल मालिश, बर्फ की मसाज आदि।

इन कारणों से होती है सूजन

पैर व टखनों की नसों में होने वाली सूजन को टेन्डोनिटिस कहा जाता है। इस स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। इसमें पैर, खासतौर पर टखनों और एड़ियों के आसपास सूजन, लालिमा और जलन हो जाती है। यह समस्या पैर के निचले हिस्से में भारी दबाव के कारण पैदा होती है। कई बार यह गलत साइज के जूते पहनने से, मोटापे से, गर्भावस्था में, ठोकर लगने से या शुगर के कारण भी यह समस्या पैदा हो जाती है। लेकिन इसके लिए बहुत ज्यादा चिंता करने की जरुरत नहीं। आप कुछ आसान प्राकृतिक व घरेलू उपाय अपनाकर भी पैरों व एड़ियों की सूजन से निजात पा सकते हैं।

गर्म तेल से मालिश

कटोरी में थोड़ा तेल लें, तवे पर रखकर उसे गर्म कर लें। इस तेल से पैर की मसाज करें। मसाज हल्के हाथों से, कुछ मिनटों के लिए करें। इससे प्रभावित नसों में रक्त का संचार होगा और दर्द दूर होगा और आपको आराम मिलेगा। जब तक सूजन बनी रहे, दिन में दो से तीन बार इस तरह से मसाज करें। इस मसाज के लिए आप जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। ये ध्यान रखे मालिश के सयम कमरें का तापमान सामान्य हो। एसी या ठंडे वातावरण में मालिश ना करें।

सिरके का उपयोग

पैर का दर्द और सूजन सिरके से भी कम कर सकते हैं। सामान मात्रा में पानी और सिरका मिलाकर इस कुछ देर तक गर्म करें और इसमें एक मुलायम मलमल या फिर सूती का कपड़ा डालकर दर्द वाली जगह पर लगाएं। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार करें और बाद में इसे पोंछकर मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाएं।

बर्फ की सेंक

बर्फ की सेंक टखने की सूजन और दर्द को दूर करने के लिए एक कारगर घरेलू उपाय है। इसके लिए, कुछ बर्फ के टुकड़े लें और उसे बेलन या किसी और चीज की सहायता से तोड़ लें। फिर एक बैग में रखकर कॉटन के टॉवेल में लपेट लें। इस बैग को दर्द वाली जगह पर रखें। इससे सूजन और दर्द दोनों कम होंगे। एक बार में आप इस बैग को 15 मिनट तक रख सकते हैं। ज्यादा आराम के लिए इसे दिन में कई बार इस्तेमाल करें।

गर्म पानी और नमक

फुट टेन्डोनिटिस में गर्म पानी और सेंधा नमक भी कारगर है। गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए अपना पैर इसमें रखें। पानी की गर्माहट दर्द को खीच लेगी और सेंधे नमक से शरीर में मैग्नीशियम की पूर्ति होगी। पैर को ड्राईनेस से बचाने के लिए इस प्रक्रिया को दिन में एक बार ही करें। इसके बाद गीलेपन को पोंछ लें। इस पानी में खुशबू वाले तेल की कुछ बूंदे भी डाल सकते हैं।

आटा

आटा ऐसी चीज है जो हर किचन में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। आटा गर्माहट देने वाला होता है, इसकी गर्माहट से दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है। आटे और वाइन का पेस्ट बना कर तीस मिनट तक दर्द वाली जगह पर लगाएं। उसके बाद गुनगुने पानी से इसे धोकर हल्की मसाज के साथ मॉइस्चराइजर लगाएं।

लहसुन

रोज लहसुन या फिर लहसुन के तेल वाली कैप्सूल खाने से टखनों और पैरों की सूजन कम होने लगती है। अपने खाने में लहसुन मिलाएं या फिर ऐसे ही लहसुन की कली चबाएं। आप देखेंगे कि इसका असर तुरंत होता है।

बॉल के साथ एक्सरसाइज

जूते को खोलकर आराम से बैठ जाएं। उसके बाद गोल्फ की गेंद के ऊपर बारी-बारी से पैरों को रख कर धीरे-धीरे गेंद को गोलाकर गति में घुमाते हुए दबायें। इस व्यायाम से पैरों का दर्द कुछ देर के बाद कम होने लगेगा। इस व्यायाम से पैरों की मांसपेशियों को भी जान मिलती है।

लिंफ नोड्स की सूजन हटाएं

लिंफ नोड में अगर सूजन आ गई है तो शरीर में दूसरी समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं, लिंफ नोड की सूजन कम करने के लिए आपके घर में कौन से घरेलू नुस्खे मौजूद हैं, इसके बारे में इस स्लाइडशो में जानते हैं।

क्यों है लिंफ नोड में सूजन

लिंफ नोड्स एक नहीं कई ग्रंथियां होती हैं जो शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे - जबड़े के पीछे, आर्मपिट, कान के पीछे, कान के पीछे, सिर के पीछे, आदि अंगों में होता है। इसका प्रमुख काम इम्यून सिस्टम को सुचारु करना है जिससे शरीर हानिकारक कीटाणुओं से लड़ सकता है। लेकिन किसी कारण से लिंफ नोड्स में सूजन हो जाती है, इस समस्या को लिंफेडेनोपैथी या लिंफैडेनिटिस कहते हैं। इसके कारण शरीर के दूसरे अंगों में संक्रमण भी हो सकता है। इसके अलावा कोल्ड, टांसिल, जिंजिवाइटिस, त्वचा में संक्रमण, आदि समस्याएं भी हो सकती हैं। लिंफ नोड्स की सूजन कम करने के लिए आप घरेलू नूस्खों को आजमा सकते हैं। इस स्लाइडशो में उन नुस्खों के बारे में बता रहे हैं।

गरम पानी से सिंकाई

लिंफ नोड्स में सूजन कम करने के लिए गरम पानी से सिंकाई कीजिए। जब गरम तापमान का संपर्क शरीर के दूसरे अंगों से होता है तब शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है और सूजन कम हो जाती है। इसके लिए पानी को गरम कीजिए और उसमें एक साफ कपड़े को भिगोकर सूजन वाली जगह पर 5 से 10 मिनट के लिए रखें। जब तक सूजन समाप्त न हो जाए इस क्रिया को दिन में कई बार दोहराएं। गरम पानी से सूजन वाली जगह की सफाई भी कर सकते हैं।

नमक पानी

गले में या जबड़े में पाई जाने वाली लिंफ नोड में सूजन है तो नमक पानी का गरारा करने से जल्द आराम मिलता है। नमक और पानी लिंफ नोड की सूजन को कम कर देता है। इसके लिए एक कप पानी को हल्का गरम कर लीजिए, उसमें आधा चम्मच नमक मिलाइए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए। सूजन कम होने तक दिन में कई बार इसे दोहराएं।

फायदेमंद है लहसुन

लहसुन एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो किसी भी तरह के संक्रमण को आसानी से दूर करते हैं। इसके लिए लहसुन की 2 या 3 कलियों का सेवन कीजिए। खाने में भी लहसुन का प्रयोग कीजिए। अगर समस्या अधिक गंभीर है तो लहसुन के तेल से दिन में 2 या 3 बार मालिश करें। इससे जल्द आराम मिलेगा।

सेब का सिरका

सेब का सिरका लिंफ नोड की सूजन कम करने में के लिए बहुत प्रभावशाली माना जाता है। यह शरीर के पीएच लेवेल को बढ़ा देता है जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण से भी बचाते हैं। इसके लिए सेब के सिरके को बराबर मात्रा में पानी से मिलाकर एक कपड़े में को इसमें भिगोकर सूजन वाली जगह पर लगाएं। इसे दिन में दो बार प्रयोग करें। इसके अलावा एक चम्मच सेब का सिरका, एक चम्मच शहद को पानी में मिलाकर सेवन करने से जल्द आराम मिलता है।

बहुत गुणकारी है हल्दी

हल्दी में कई गुण मौजूद होते हैं, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होता है जिससे किसी भी प्रकार की सूजन आसानी से कम हो जाती है। यह संक्रमण से भी बचाता है और इसके प्रयोग से किसी प्रकार का घाव भी आसानी से और जल्दी भर जाता है। एक चम्मच हल्दी और शहद लेकर अच्छे से मिश्रण बना लीजिए, इसे सूजन वाले हिस्से पर लगाकर 10 मिनट तक रहने दें फिर इसे हल्के गरम पानी से साफ कर लीजिए। दिन में दो बार करने से जल्द आराम मिलता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है खुबानी

खुबानी यानी ऐप्रिकॉट एक बीजयुक्त फल है। इस फल में कई प्रकार के विटामन्स और फाइबर होते हैं। खुबानी के बीज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। खुबानी के अनेकों लाभ हैं। खुबानी को न सिर्फ फल के रूप में बल्कि खुबानी के बीज भी इम्यून सिस्टम मजबूत करने में सहायक होते हैं। खुबानी के बीज अवश्य ही खांए इससे शरीर को ताकत मिलती हैं। आइए जानें खुबानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार- खुबानी फाइबरयुक्त फल है। इससे पाचन तंत्र ठीक होता है। खुबानी खाने से कब्ज संबंधी समस्या दूर होती है। खुबानी कई पाचन संबंधी विकार और बवासीर रोग दूर करने में भी लाभकारी है। खुबानी फल से पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं। सूखे खुबानी पेट के लिए लाभकारी हैं।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार- खुबानी ऐसा लाभदायक फल है जिससे हृदय संबंधी रोगों से आसानी से निजात पाई जा सकती हैं। खुबानी से कॉलेस्ट्रॉकल नियंत्रित होता हैं।

त्वचा सौंदर्य में बढ़ावा- खुबानी गर्मियों का फल हैं। इसके सेवन से त्वचा में निखार आता है। कील, मुंहासे, त्वचा संक्रमण इत्यादि खुबानी के सेवन से दूर हो सकते है। इतना ही नहीं वर्तमान में उघोग जगत में खुबानी का प्रयोग करके सौंदर्य उत्पाद भी बनाए जा रहे हैं।

कैंसर निरोधी- खुबानी के बीजों में कैंसर निरोधी तत्व मौजूद होते हैं। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी हैं कि खुबानी बीज में पाया जाने वाला विटामिन बी-17 सामान्य कोशिकाओं के लिए पूर्णतया सुरक्षित है और जो कैंसर से बचाव में लाभकारी है।

आंखों को लाभ-खुबानी में प्रचूर मात्रा में विटामिन ए होते हैं। विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट आंखों की कोशिकाओं और ऊतकों के नुकसान की पूर्ति करते हैं। मोतियाबिंद वाले रोगियों के लिए खुबानी उत्तम फल है। खुबानी के बीज से भी आंखों संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

खुबानी के बीज, सूखी खुबानी और खुबानी का रस सभी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

हर पल मौत के बीच...

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जो रहने के लिहाज से बेहद खतरनाक मानी जाती हैं। हालांकि, इसके बावजूद इन जगहों पर लोग जान जोखिम में डालकर रहते हैं। इनमें से कई जगहें काफी ठंडी हैं, तो कई सबसे ज्यादा प्रदूषित। वहीं, कहीं पर आए दिन ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। आइये जानें दुनिया की ऐसी ही जगहों के बारे में, जहां के लोग हर पल मौत के बीच रहते हैं।

अजब सी वो गंध

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की ला ओरोया सिटी दुनिया की खतरनाक जगहों में से एक है। यहां की आबोहवा इस शहर को खतरनाक बनाती है। दरअसल, ला ओरोया दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। यहां की हवा में हमेशा अजीब सी दुर्गंध आती है, जिसमें सांस ले पाना बेहद मुश्किल होता है। बावजूद इसके, इस शहर में लगभग 33 हजार लोग रहते हैं।

जानलेवा लावा

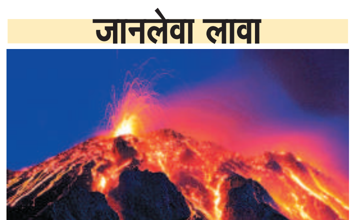

ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पल भर में किसी को भी मौत की नींद सुला सकता है। लेकिन कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग इस तरह के खतरों के बावजूद रहते हैं। ऐसी ही एक जगह इथोपिया का डलॉल है। दरअसल, यहां पर कई सक्रिय ज्वालामुखी हैं, फिर भी लोग वहां रहते हैं। इतना ही नहीं, यहां का तापमान साल भर 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहता है। यहां ऊंट के जरिए ही ट्रेवल किया जा सकता है।

पारा माइनस 89.2

धरती की सबसे ठंडी जगह में अंटार्कटिका के वोस्तोक का नाम शुमार किया जाता है। यहां पर रूस का अंटार्कटिक रिसर्च स्टेशन भी है। अगस्त के मौसम में यहां का तापमान सबसे कम हो जाता है। पिछले साल अगस्त में अब तक का सबसे कम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा चुका है।

बचो बिजली से

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के किफुका शहर में रहना तलवार की नोक पर चलने जितना कठिन है। दरअसल, यहां हर साल बिजली गिरने की अनेक घटनाएं होती हैं। यहां हर साल प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में 158 से ज्यादा आकाशीय बिजलियां गिरती हैं।

डेथ वैली डेथ वैली पूर्वी कैलेफोर्निया में स्थित एक रेगिस्तान है, जहां पर रहना बेहद ही मुश्किल और खतरनाक है। दरअसल यहां का पारा 60 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो बहुत ज्यादा है। इसके बावजूद यहां पर लोगों का एक छोटा सा समूह रहता है।

हमसफर पहाड़ चीन के मोतुओ में रहना भी काफी मुश्किल और खतरनाक है। दरअसल, इसकी वजह यहां पर सड़कों का न होना है। ऐसे में लोगों को एक से दूसरी जगह जाने के लिए पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता है। बावजूद इसके यहां पर 10 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं।

खाने के लाले स्कॉटलैंड के फैरो आइलैंड पर स्थित मूली एक बहुत छोटा सा गांव है। लेकिन यहां पर रहना भी मुश्किल है। दरअसल, यहां पर खाने के लिए न तो सब्जियां हैं और न ही कुदरती संसाधन। इसके बावजूद यहां पर अब भी लोग रहते हैं।

बारिश से तर-बतर भारत के मेघालय राज्य में पूरे साल मूसलाधार बारिश होती है। ऐसे में यहां पर रहने वाले लोग अपने खान-पान पर कंट्रोल करते हैं और जैसे-तैसे रहते हैं।

सलामांडर की अनोखी क्षमता...

अगर सलामांडर एक्सोलोटल का कोई अंग टूट रहा है तो उसे इस बात की फिक्र नहीं, क्योंकि इस जीव की खासियत है कि इसका अंग शरीर से अलग होने के बाद फिर से आ जाता है। एक्सोलोटल को आप एक तरह की छिपकली कह सकते हैं, जो जलीय जीवों में गिनी जाती है। इस जीव में अंगों के फिर से बनने और स्वयं घाव भरने की अद्भुत क्षमता होती है और तो और नए अंग बनने के बाद इस जीव के शरीर पर किसी तरह का निशान भी बाकी नहीं रहता।

रीढ़ की हड्डी, दिल और दिमाग में गंभीर चोट भी इसी तरह ठीक होती है। एक्सोलोटल के पंगु बनने जैसी कोई घटना नहीं होती। प्रजनन के समय एक्सोलोटल अपने अंग ऊपर उठाकर लहराती हैं। जानवरों के रहने के प्राकृतिक स्थान बढ़ते शहरीकरण और दूषित जल के कारण खत्म होते जा रहे हैं, लेकिन एक्सोलोटल के अंगो के फिर से बनने की क्षमता के कारण इसके अस्तित्व को फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

शोधकर्ता यह जानने के की कोशिश कर रहे हैं कि एक्सोलोटल में किस तरह से घाव भरने की प्रक्रिया होती है। इसके लिए वे एक्सोलोटल के उत्तकों के जीन अनुक्रम को समझने की भी कोशिश कर रहे है। इस प्रक्रिया के दौरान देखा गया कि एम्ब्लोक्स एंजाइम घाव भरने और अंगों के निर्माण की विधि को गति देता है। कोशिकाओं के साथ किए गए प्रयोग में देखा गया कि एम्ब्लोक्स एंजाइम त्वचा की कोशिकाओं के फिर से बनने में सहायक है।

रेसिपी

फ्रूटी क्रीम चीज

सामग्री

1 कप दूध
1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस
2 टेबल-स्पून स्ट्रॉबेरी की प्युरी या आम का पल्प
1 टी-स्पून शक्कर

विधि

दूध को उबालकर 2-3 मिनट तक एक तरफ रख दें। 1 टी-स्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। अगर दूध पुरी तरह से ना फटे तो एक और चम्मच नींबू का रस डालकर दूध को पुरी तरह फटने दें। दूध से व्हे पुरी तरह निकल जाना चाहिए। सूती कपड़े से छानकर व्हे को अलग रख दें। छाने हुए क्रीम चीज़ को मिक्सर में डालकर पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें, जहां आप इसे पतला करने के लिए थोड़ा व्हे मिला सकते हैं। इसे पुरी तरह ठंडा करने रख दें। फल और शक्कर डालकर दुबारा पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। तुरंत परोसें।

कोवालम मटर

सामग्री

1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसून की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे लहसून की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए गरमा गरम परोसिए।

संपादकीय

भाजपा तोड़ रही तृणमूल

अब यह सरेआम, स्पष्ट हो चुका है कि भाजपा ही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ रही है। इसका यह साक्ष्य ही पर्याप्त है कि तृणमूल के 12-14 बागी सांसद केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के बंगाल प्रभारी भूपेन्द्र यादव के आवास पर इक_I हुए। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी भी उस बैठक और विमर्श में शामिल थे। सोमवार शाम को मुख्यमंत्री सुवेन्दु बागी सांसदों की कथित उपनेता शताब्दी रॉय के आवास पर भी पहुंचे। वहां भी तृणमूल के बागी गुट से मुलाकात और सौदेबाजी हुई। हम सौदेबाजी इसलिए कह रहे हैं कि उन बैठकों में तय हुआ होगा कि आपको एनडीए का हिस्सा कैसे बनना है और अंततः भाजपा में कैसे शामिल होना है? कोई लालच या आकर्षण नहीं होगा, तो कोई भी विधायक या सांसद बगावत क्यों करेगा? असंतोष और बगावत किसी भी राजनीतिक दल में संभव है और इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा है। यह तोड़ा-फोड़ी की कवायद तब चल रही थी, जब तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में शिरकत कर रही थीं। दोनों स्थानों के बीच करीब 1.5 किलोमीटर का फासला होगा। ममता अपने सांसदों को पाला बदलने से रोक नहीं पाईं, क्योंकि भाजपा में बागियों को राजनीतिक भविष्य 'चमकीला' दिख रहा था। जिन सांसदों ने ममता बनर्जी की 15-साला सत्ता के दौरान 'मलाई' चाटी, ममता को देवी-तुल्य मानते रहे, ममता की पार्टी के चुनाव चिह्न और उनके राजनीतिक आह्वानों के सहारे चुनाव जीत कर लोकसभा में आए, आज वे तृणमूल को दलालों, चोरों, डकैतों और रेपिस्ट (बलात्कारी) की पार्टी करार दे रहे हैं। वाह! क्या संसदीय राजनीति है और दलबदल-विरोधी कानून है? बेशक यह कानून बागी गुट के दो-तिहाई सदस्यों को अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता की अनुमति देता है, लेकिन यह कानून भी लक्ष्यहीन और बेमकसद साबित हुआ है। यदि तृणमूल के सांसदों को टूटना ही था, तो वे भाजपा नेता के आवास पर क्यों गए? भाजपा नेता ने अघोषित आमंत्रण क्यों दिया था? मुख्यमंत्री भी संयोगवश नहीं पहुंचे। जाहिर है कि भाजपा नेतृत्व में ही तय हुआ है कि चुनाव में करारी शिकस्त के बाद तृणमूल को तोड़ा जाए, यह काम आसान होगा और एनडीए में एक घटक के तौर पर शामिल किया जाए। दरअसल भाजपा-एनडीए को संसद के दोनों सदनों में अपनी संख्या बढ़ानी है, ताकि उन संविधान संशोधन विधेयकों को आसानी से पारित किया जा सके, जिनके लिए सदन में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। प्राथमिकता परिसीमन बिल की है, जिसके आधार पर ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकता है। राज्यों से सांसदों की सीटें बढ़ाई जा सकती हैं। सत्ता पक्ष बीते संसद सत्र में यह बिल 54 मतों से पारित नहीं करा सका था। अब तृणमूल के 20 बागी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है कि उन्हें 'अलग गुट' के तौर पर मान्यता दी जाए। अब वे एनडीए का हिस्सा बनना चाहते हैं, लिहाजा बैठने की व्यवस्था भी उसी के अनुरूप की जाए। यह निर्णय स्पीकर को करना है, लेकिन मूल तृणमूल के नेता ऐसे प्रस्ताव पर 20 सांसदों के हस्ताक्षरों पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल हमारा बुनियादी सवाल यह है कि भाजपा तृणमूल के बिखराव को प्रश्रय क्यों दे रही है?

> तृणमूल के 12-14 बागी सांसद केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के बंगाल प्रभारी भूपेन्द्र यादव के आवास पर इकठा हुए। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी भी उस बैठक और विमर्श में शामिल थे। सोमवार शाम को मुख्यमंत्री सुवेन्दु बागी सांसदों की कथित उपनेता शताब्दी रॉय के आवास पर भी पहुंचे। वहां भी तृणमूल के बागी गुट से मुलाकात और सौदेबाजी हुई। हम सौदेबाजी इसलिए कह रहे हैं कि उन बैठकों में तय हुआ होगा कि आपको एनडीए का हिस्सा कैसे बनना है और अंतत: भाजपा में कैसे शामिल होना है? कोई लालच या आकर्षण नहीं होगा, तो कोई भी विधायक या सांसद बगावत क्यों करेगा? असंतोष और बगावत किसी भी राजनीतिक दल में संभव है और इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा है। यह तोड़ा-फोड़ी की कवायद तब चल रही थी, जब तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में शिरकत कर रही थीं। दोनों स्थानों के बीच करीब 1.5 किलोमीटर का फासला होगा। ममता अपने सांसदों को पाला बदलने से रोक नहीं पाईं, क्योंकि भाजपा में बागियों को राजनीतिक भविष्य 'चमकीला' दिख रहा था। जिन सांसदों ने ममता बनर्जी की 15-साला सत्ता के दौरान 'मलाई' चाटी, ममता को देवी-तुल्य मानते रहे, ममता की पार्टी के चुनाव चिह्न और उनके राजनीतिक आह्वानों के सहारे चुनाव जीत कर लोकसभा में आए, आज वे तृणमूल को दलालों, चोरों, डकैतों और रेपिस्ट (बलात्कारी) की पार्टी करार दे रहे हैं। वाह! क्या संसदीय राजनीति है और दलबदल-विरोधी कानून है? बेशक यह कानून बागी गुट के दो-तिहाई सदस्यों को अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता की अनुमति देता है।

विपक्षी पार्टियां द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेंकिंग या स्वीकार्यता के मामलें में वैश्विक नेताओं से बहुत आगे

नरेंद्र मोदी के 12 साल : भरोसे के हकीकत में बदलने का दौर

यदि मॉर्निंग कंसल्ट की माने तो दुनिया के नेताओं की सूची पर एक नजर दौड़ाई जाएं तो केई भी वैश्विक नेता स्वीकार्यता में नरेन्द्र मोदी के आसपास भी नहीं टिकते। विपक्षी पार्टियां द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेंकिंग या स्वीकार्यता के मामलें में वैश्विक नेताओं से बहुत आगे हैं। 68 प्रतिशत स्वीकार्यता नरेन्द्र मोदी की है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्वीकार्यता रेंक लगातार नेगेटिव जा रही है। फालोवर्स में भी नरेन्द्र मोदी सबसे आगे हैं। दुनिया का संभवतः हमारा ही देश होगा जहां देश के बाहर भारत की छवि खराब करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही उसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले चुनिंदा प्रधानमंत्री बन गए हैं। चुनिंदा इसलिए कि देश में पहले लोकसभा चुनाव 1952 में हुए पर पं. नेहरु 1947 से 1952 तक भी प्रधानमंत्री रहे। लगातार 12 साल कोई कम नहीं होते और वह भी लगातार 12 साल। सबसे बडी बात यह कि इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। माना तो यही जाता था कि कश्मीर में धारा 370 और 35 ए हटाना, राममंदिर का निर्माण, डिजिटल क्रांति, वैश्विक नेतृत्व, नोटबंदी, एक देश एक कर, घर घर शोचालय, घर घर कचरा संग्रहण, रक्षा उपकरणों का निर्यात, किसान सम्मान, मेक इन इंडिया, इंडिया फर्स्ट, बड़ी अर्थ व्यवस्था, तेजी से ढांचागत विकास, डिजिटल भुगतान, नक्सलवाद की नेस्तनाबूदी, आत्मनिर्भर भारत, परिवहन क्षेत्र में ढांचागत बदलाव आदि आदि समय समय पर की जाने वाली घोषणाएं केवल चुनाव जीतने के जुमले हैं पर लगभग असंभव माने जाने वाले यह काम आज धरातल पर उतरना सबसे बड़ी उपलब्धी मानी जा सकती है। इससे सबके साथ ही सबसे आश्चर्य जनक बात यह है कि लाख विरोध के बावजूद विपक्ष आज हाशिये में चला गया है। कश्मीर से धारा 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जीकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दुर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई है। आज अर्थ व्यवस्था में जिस तेजी से बदलाव आया है और चौथी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने के बाद अब तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने की और तेजी से कदम बढ़ चुके हैं। जनधन योजना के समय जिस तरह से आलोचना का दौर चला था आज भुगतान में डिजिटलीकरण में इसकी बड़ी भूमिका तय हो चुकी है। जो लगभग असंभव माना जा सकता था वह आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से संभव हो पाया है और पांच रु. के टमाटर का भुगतान भी सब्जीवाले तक को यूपीआई से आसानी से होने लगा है। सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के भुगतान, पेंशन, अनुदान आदि आज सीधे खातों में जाने लगे हैं। यह किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं है। आईपीसी सीपीसी में बदलाव किया जा चुका है। तो जीएसटी में लाख कमियां गिनाने के बावजूद आज समूचा देश एक देश एक कर के छाते के नीचे आ चुका है। बुनियादी ढांचें में तेजी से बदलाव आया है। आज वंदे भारत और नमो भारत ट्रेन चलने लगी है तो 33 किमी प्रतिदिन हाईवे का निर्माण हो रहा है। एक्सप्रेस हाईवे से आवागमन आसान हुआ है। आयुष्मान योजना से 50 करोड़ लोगों को जोड़ा जा चुका है तो सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता का नेटवर्क विस्तारित किया गया है। आज 98 प्रतिशत घरों से घर घर कचरा संग्रहण होने लगा है तो अब घर घर में शोचालय बन चुके हैं। कोरोना के दौरान हमारे प्रयासों को सारी दुनिया द्वारा सराहा गया यहां तक कि कोरोना के दौरान जीवन रक्षक की भूमिका में भारत ने भूमिका निभाई। किसानों की आय में बढ़ोतरी के ठोस प्रयास हुए हैं तो किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को उनका आत्मसम्मान उपलब्ध कराया गया है। एमएसपी व्यवस्था में सुधार हुए हैं तो खेती किसानी के क्षेत्र में बदलाव छाप दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया और इंडिया फर्स्ट भी आज साकार होता दिखाई दे रहा है। आज हम रक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगे हैं तो सहस्त्रबलों के आधुनिकीकरण और निर्णय की स्वतंत्रता का परिणाम है कि आज सेनाएं आत्मगौरव के साथ आगे बढ़ रही है। आज देश आत्म निर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जहां तक कूटनीतिक स्तर पर सफलता की बात है तो भारत आज पिछलग्गू देशों में नहीं बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लाख प्रयासों के बावजूद भारत के खिलाफ कुछ खास कर नहीं पा रहे हैं। पाकिस्तान के पक्ष में आज तुरकिया जैसे एकाध को छोड़कर कोई देश बोलने की स्थिति में नहीं है। मालदीव को नरेन्द्र मोदी के एक फोटो ट्वीट ने सबक सीखा दिया तो दूसरे देश भी भारत की ताकत को समझने लगे हैं। खैर यह सब होते हुए भी नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने अभी चुनौतियां कम नहीं हैं। रोजगार सृजन, प्रति व्यक्ति आय में अंतर, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जल जीवन मिशन के बावजूद पेयजल की सहज उपलब्धता, खेती की बरसात पर निर्भरता, परिसीमन आदि ऐसे बहुत से मुद्दे हैं जिन पर ठोस काम किया जाना है। देश में जिस तरह से पेपर लीक होने के मामले सामने आये हैं इससे युवाओं में निराशा हुई है उसे दूर करने की चुनौती सामने हैं तो स्टार्ट अप और कौशल विकास के बावजूद बेरोजगारी की दर अभी भी चिंतनीय स्तर पर है। साइबर क्राइम और गेमिंग जैसी नई चुनौतियां तो सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अत्यधिक उपयोग के साइड इफेक्ट आदि अनेक समस्याएं समाधान चाहती है। देश आज तेजी से एक देष एक चुनाव के धरातल पर उतरने का इंतजार कर रहा है। रिन्यूवल एनर्जी पर बहुत कुछ हासिल करने के बावजूद अमेरिका ईरान युद्ध के कारण जिस तरह से तेल और एलपीजी का संकट आया है इसका भी दीर्घकालीन समाधान खोजा जाना है। हांलाकि समस्याएं अनवरत और नियमित प्रक्रिया है पर दीर्घकालीन योजनाओं से आसानी से निपटा जा सकता है। इस सबके बावजूद देशवासियों को नरेन्द्र मोदी के प्रति पूरा भरोसा है। यही कारण है कि विपक्ष की लाख आलोचनाओं के बावजूद नरेन्द्र मोदी की स्वीकार्यता और भरोसे व उनके आत्मविश्वास में किसी तरह की कमी नहीं आई है। सौ टके की बात कही जाएं तो नरेन्द्र मोदी की अपार उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियां भी अपार है और सबसे अच्छी बात यह कि देशवासियों का उनपर भरोसा भी पूरा है और वैश्विक स्वीकार्यता भी सबसे अधिक है।

> दुनिया का संभवत: हमारा ही देश होगा जहां देश के बाहर भारत की छवि खराब करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही उसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले चुनिंदा प्रधानमंत्री बन गए हैं। चुनिंदा इसलिए कि देश में पहले लोकसभा चुनाव 1952 में हुए पर पं. नेहरु 1947 से 1952 तक भी प्रधानमंत्री रहे। लगातार 12 साल कोई कम नहीं होते और वह भी लगातार 12 साल। सबसे बडी बात यह कि इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

देश दुनिया से

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

भारत में पेपर लीक की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मजाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाजार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंट्स' होते हैं जहां सुरक्षा बेहद कमजोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा पेपर लीक मामले में मजबूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में जमानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सजा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र

महीनों, सालों तक 'क्रॉनिक स्ट्रेस' यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुजरते हैं। जब परीक्षा का परिणाम आने के बजाय परीक्षा ही रद्द हो जाती है तो छात्र 'बर्नआउट' की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाना जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिगमैन का 'लर्नड हेल्पलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। भारत में युवाओं की पहचान अकसर इस बात से भी तय होती है कि वे किस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं या वे क्या बनते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है। पेपर लीक होने पर सरकारें अकसर परीक्षा रद्द करके 'दोबारा परीक्षा' की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताडऩा की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। परीक्षा रद्द होने का मतलब है- कमरे का किराया, खाने का खर्च और दोबारा आने-जाने का किराया। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। दोबारा उसी स्तर की पढ़ाई, वही सिलेबस और वही मॉक टेस्ट देना दिमाग के लिए अत्यधिक थकाऊ होता है। भविष्य की अनिश्चितता और उम्र का निकलना भी एक बड़ा कारण है। कई परीक्षाओं की प्रक्रिया पूरी होने में ही 2 से 3 साल लग जाते हैं। री-एग्जाम के चक्रव्यूह में फंसकर कई छात्रों की अधिकतम उम्र सीमा समाप्त हो जाती है। यह डर कि 'अगली बार भी लीक हो गया तो?' छात्रों को री-एग्जाम पर ध्यान केंद्रित करने नहीं देता। पेपर लीक के नासूर को मिटाने के लिए सतही बदलावों से काम नहीं चलेगा। इसके लिए संपूर्ण परीक्षा तंत्र का पुनर्गठन एवं व्यवस्थागत और तकनीकी सुधार बहुत जरूरी हैं। प्रश्नपत्रों को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए। प्रश्नपत्र पूरी तरह एनक्रिप्टेड होने चाहिए जो परीक्षा शुरू होने से ठीक 15 मिनट पहले सीधे परीक्षा केंद्र के कंप्यूटर पर एक डिजिटल 'की' के माध्यम से ही खुलें। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की लाइव मॉनिटरिंग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हो जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या 'मास चीटिंग' को तुरंत पकड़ सके।

कुछ अलग

इमोशनल नहीं, वोकेशनल बन

कल ऑफिस से घर की ओर गर्मी से बेदम होता आ रहा था कि रास्ते में सूखे पेड़ की छांव में बैठा रुपया मिल गया। उसकी सांसें चढ़ी हुईं। पूरा बदन पसीने से नहाया हुआ। रुपए की वह हालत देख मन किया कि इस सूरज को कल ऑफिस जाते ही सबसे पहले नोटिस भेजूंगा कि मौसम का फायदा उठाने की भी हद होती है यार! तुमसे गर्म नेचर का तो हमारा बॉस है। बारहों महीने कोयले की भ_I की तरह सुलगता रहता है। पर इतना गर्म तो हम पर वह भी नहीं होता यार! माना, गर्मी का मौसम है, फिर भी कम से कम गर्मी के मौसम का नाजायज फायदा उठा कर बेचारी जनता के रुपए को हलकान तो न करो। पर फिर सोच चुप हो गया कि हर किसी की कमजोरी का फायदा यहां कौन नहीं उठाता? मैं भी तो अपनी कुर्सी का सबके पसीने निकाल फायदा उठाता रहता हूं। भाई साहब! जिसकी सत्ता होती है, हर स्थिति का फायदा उठाना उसका मूलभूत अधिकार होता है। मैंने रुपए को लंबी लंबी सांसें लेते, होश खोते देखा तो लगा कि इससे पहले कि रुपए को कुछ हो जाए, मुझे जनहित में कुछ कर लेना चाहिए। आदमी के हाथ में केवल कुकर्म करना ही होता है। बाकि फल देना तो ऊपर वाले के हाथ में होता है। क्या पता मेरे हाथों ही रुपए का उद्धार लिखा हो? यह सोच मैंने झट अपने बैग से गर्मी में भाप बन उड़ती बची पानी की बोतल निकाली और उसकी ओर बढ़ा दी। लेकिन पानी पीने के बदले उसने मेरी ओर सिर से पांव तक इमोशनैलिटी में डूबे कहा, 'बंधु! पता नहीं क्यों दम निकला जा रहा है। लगता है बस, अब और नहीं। डॉलर से मुकाबला करते करते थक गया हूं। डॉलर के साथ दौडऩे की जितनी कोशिश कर रहा हूं उतना ही पिछड़ रहा हूं।

आप का नज़रिया

गांव का अस्तित्व

प्रदेश में आजकल चर्चाओं का सारा रुख स्थानीय निकायों पर है, तो ग्रामीण एवं शहरी आर्थिकी पर विवेचन होने लगा है। नारकंडा में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए मुख्यमंत्री कहते हैं कि सरकार पंचायत क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाएगी। गांव की परिभाषा चुनावों तक तो याद रहती है, लेकिन बाद में राजनीति की सीढियां बदल जाती हैं। वैसे हिमाचल में गांव का अस्तित्व अपने पैमाने बदल रहा है। पहले ग्रामीण आर्थिकी के साथ गांव का समुदाय पहचाना जाता था, जहां हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग, कृषि-बागबानी तथा दुग्ध उत्पादन स्थायी रूप से पहचान दिलाते थे। आश्चर्य यह कि रोजगार व सरकारी नौकरी ने ग्रामीण जनता की निर्भरता का नया बाजार खड़ा कर दिया। अब ऐसे गांव मिल जाएंगे, जहां अस्सी फीसदी आबादी खेतों से दूर हो गई है। हिमाचल की कृषि लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है तथा आवारा पशुओं व वन्य प्राणियों के कारण भी खेती को अलविदा कहने की नौबत आ गई है। ऐसे में सबसे पहले आवारा पशुओं से निजात चाहिए। किसान व बागबानों के चूल्हे सलामत रहें, इसके लिए जंगली जानवरों और खास तौर पर बंदरों से किसान-बागबान को बचाना होगा। अब तक बंदरों के खिलाफ ऐसा कोई अभियान दिखाई नहीं देता, जिससे राहत मिले। नतीजतन ऐसे कई गांव मिल जाएंगे जहां लोगों ने खेती करना ही छोड़ दिया है। गांवों में सिंचाई व्यवस्था भी बिगड़ी है। पारंपरिक कूहलों, नालों व नदियों पर बढ़ते अतिक्रमण तथा मनरेगा के तहत हुए कार्यों ने सिंचाई की पारंपरिक व्यवस्था को किसान से दूर कर दिया है। बावजूद इसके नीली व श्वेत क्रांतियों की दृष्टि में अंतर आया है। सुक्खू सरकार ने मछुआरों को कई प्रोत्साहन व छूट देकर यह संदेश जरूर दिया है कि हमारी कृत्रिम बांध परियोजनाओं के साथ-साथ निजी तौर पर फिश पॉंड बनाकर अतिरिक्त कमाई सुनिश्चित है। इसी तरह दूध के खरीद मूल्य में वृद्धि करके वर्तमान सरकार ने इस व्यवसाय की आंखें खोल दी हैं। ढगवार में प्रदेश के सबसे बड़े दुग्ध संयंत्र के तहत आकार लेते सपने असर दिखा रहे हैं, जहां अकेले कांगड़ा में मिल्क एकत्रीकरण की मात्रा में बीस से पच्चीस हजार लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसके अलावा सोलर ऊर्जा परियोजनाओं के तहत भी गांवों की जमीन से लाभकारी कदम उठाने का विकल्प आगे बढ़ा है। हिमाचल के गांवों में प्रगतिशील महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह बनाकर स्थानीय उपज, मोटा अनाज, विविध खाद्य उत्पादों तथा पारंपरिक कलाओं और दस्तकारी से जुड़े उत्पादों का बाजार खोजा है। कुछ विधायकों के विजन के कारण ग्रामीण आर्थिकी में निरंतर सुधार की दिशा में संभावनाएं तलाशी गई हैं। शाहपुर के कंडी क्षेत्र में विधायक केवल सिंह पठानिया ने ट्राऊट उत्पादन की जमीन तलाशी, तो अब इस क्षेत्र से कई युवा धंधे से स्वरोजगार सृजन में आगे बढ़े हैं। हमने इन्हीं कालमों में कई बार सुझाव दिया है कि अगर सरकार ग्रामीण पर्यटन पर जोर दे, तो आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। अगर सरकारें हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम एक-एक पर्यटक गांव भी चिन्हित करें, तो ग्रामीण विकास की परियोजनाओं तथा विभिन्न विभागों के बजट से ही ऐसे पर्यटक गांव विकसित होकर स्वरोजगार को बढ़ावा देंगे। कहीं मत्स्य पालन, कहीं सिंचाई परियोजना, कहीं वन, कहीं कृषि-बागबानी विभाग से एग्रो टूरिज्म, कहीं कला-संस्कृति विभाग के माध्यम से स्थानीय कलाओं के उत्पाद, तो कहीं कृषि विपणन बोर्ड की मदद से हाट बाजार स्थापित हो जाएंगे।

> पहले ग्रामीण आर्थिकी के साथ गांव का समुदाय पहचाना जाता था, जहां हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग, कृषि-बागबानी तथा दुग्ध उत्पादन स्थायी रूप से पहचान दिलाते थे। आश्चर्य यह कि रोजगार व सरकारी नौकरी ने ग्रामीण जनता की निर्भरता का नया बाजार खड़ा कर दिया। अब ऐसे गांव मिल जाएंगे, जहां अस्सी फीसदी आबादी खेतों से दूर हो गई है। हिमाचल की कृषि लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है तथा आवारा पशुओं व वन्य प्राणियों के कारण भी खेती को अलविदा कहने की नौबत आ गई है। ऐसे में सबसे पहले आवारा पशुओं से निजात चाहिए। किसान व बागबानों के चूल्हे सलामत रहें, इसके लिए जंगली जानवरों और खास तौर पर बंदरों से किसान-बागबान को बचाना होगा। अब तक बंदरों के खिलाफ ऐसा कोई अभियान दिखाई नहीं देता, जिससे राहत मिले। नतीजतन ऐसे कई गांव मिल जाएंगे जहां लोगों ने खेती करना ही छोड़ दिया है। गांवों में सिंचाई व्यवस्था भी बिगड़ी है। पारंपरिक कूहलों, नालों व नदियों पर बढ़ते अतिक्रमण तथा मनरेगा के तहत हुए कार्यों ने सिंचाई की पारंपरिक व्यवस्था को किसान से दूर कर दिया है। बावजूद इसके नीली व श्वेत क्रांतियों की दृष्टि में अंतर आया है। सुक्खू सरकार ने मछुआरों को कई प्रोत्साहन व छूट देकर यह संदेश जरूर दिया है कि हमारी कृत्रिम बांध परियोजनाओं के साथ-साथ निजी तौर पर फिश पॉंड बनाकर अतिरिक्त कमाई सुनिश्चित है।

दृष्टि कोण

आधुनिकता की दौड़ और खोता प्राकृतिक जीवन

स्वदेश की अनेक छोटी-बड़ी समस्याओं की उत्पत्ति कैसे हुई तथा ये समस्याएं विश्व की विभिन्न समस्याओं के साथ मिश्रित होकर कैसे मनुष्य के प्राकृतिक जीवन को ध्वस्त कर रही हैं, यह समझने के लिए भारत के एक व्यक्ति को ग्राम्य अंचल के अपने ग्राम, परिवार तथा समाज का आत्मनिरीक्षण करना होगा। इतिहास के चक्र में कालांतर से, पहले और आज भी एक पति-पत्नी, दंपती के रूप में एक से अधिक जो संतानें पैदा करते रहे हैं और कर रहे हैं, धीरे-धीरे वे शताब्दियों से सैकड़ों, हजारों एवं लाखों छोटे परिवारों में परिवर्तित होती रहीं और हो रही हैं। अभी जो मनुष्य हैं, वे अपनी पीढियों की पता नहीं कौनसी पीढ़ी होंगे, उन्हें स्वयं इसकी जानकारी नहीं है। कई व्यक्तियों को तो अपने परदादा-परदादी का नाम भी पता नहीं है। इस समय आधुनिकता के वशीभूत हो मशीन में बदल रहे कई व्यक्तियों को तो अपने दादा-दादी का नाम भी नहीं पता होगा। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि जो समाज अपने अतीत को भूल जाता है, वह अपने भविष्य की दिशा भी खो देता है। आज का मानव अपनी जड़ों से कटकर एक ऐसे मरुस्थल की ओर बढ़ रहा है जहां केवल भौतिकता की मरीचिका है। स्मृतिहानि की इस अधोगति के साथ, आज मनुष्य, चारों ओर का विविध विषयक सांसारिक ज्ञान, जानकारी और सूचनाएं एकत्र करने में लगा हुआ है। जिस पीढ़ी से उसका जन्म हुआ, जिस ग्राम्य वातावरण में उसका पालन-पोषण हुआ, जिस सांस्कृतिक एवं उत्सवोन्मुखी समाज में उसकी जैविक उमंगें-तरंगें विकसित हुईं तथा जिस प्राकृतिक पर्यावरण में उसके तन-मन एवं आत्मा का उन्नयन हुआ, वह सब कुछ भुलाकर और अपनी मूल पहचान को खोकर उसे भौतिकता के अन्य विषयों की जानकारी इक_I करनी है। यही वर्तमान भारत, देश, समाज, लोगों, परिवारों तथा अंततः व्यक्ति की दुर्गति है। यह क्या है? यह वास्तव में हमारी चेतना का क्रमिक ह्रास है, जो हमें भीतर से खोखला कर रहा है। इसी प्रकार, जिन पंचतत्त्वों से हमारी काया की प्राकृतिक उत्पत्ति हुई,

उनके प्रति भी आज की अत्यधिक जनसंख्या परम असंवेदनशील है। परिणामस्वरूप, ऐसी विशाल जनसंख्या जलवायु, पर्यावरण, वातावरण, हरियाली, वनों, वनस्पतियों, ऋतुओं तथा भू पर उपस्थित अन्य प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों, साधनों, संसाधनों तथा अन्य उपक्रमों के प्रति घोर उदासीन है। प्रकृति ने हमें जीवन के असीमित उपहार दिए हैं, परंतु हमारी अंधी तृष्णा ने उन उपहारों को केवल उपभोग की वस्तु समझ लिया है। हम भूल गए हैं कि प्रकृति की रक्षा में ही हमारी स्वयं की रक्षा निहित है। स्वस्थ काया के साथ जीने के लिए मनुष्य जो कुछ भी पीता है, जो खाता है, वह मूलतः प्रकृति से ही उत्पन्न होता है। जिस जलवायु में श्वासें चलायमान हैं, जिस वायु स्पर्श से जीवन की अनुकूलता प्रस्थापित है तथा जिस अग्नि तत्त्व अर्थात सूर्य से धरती की दिनचर्या निर्धारित है, अब मनुष्य के लिए वे ध्यान, चिंतन एवं लगन के विषय नहीं हैं। मनुष्य कितना कृतघ्न हो चुका है, कि जो उसकी काया के आधार हैं, जो उसे प्राणों एवं श्वासों का जीवनचक्र प्रदान करते हैं, जो उसके भौतिक अस्तित्व के मूलाधार हैं और आधुनिकता की विसंगत पराकाष्ठाओं के कारण जिनमें उत्पन्न विकृतियों द्वारा मनुष्य की काया रोगी हो रही है, उस पर प्राथमिकता के साथ चिंतन-मनन करने की तुलना में वह आधुनिकता की मूर्खतापूर्ण प्रतिस्पर्धा में मर-खप रहा है। मनुष्य इस अंधी दौड़ में इतना अंधा हो चुका है कि उसे अपनी ही सांसों के थमने का आभास नहीं हो रहा है। वह उस डाल को ही काट रहा है, जिस पर उसका संपूर्ण जीवन टिका हुआ है।

आईसीसी ने लार्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया नकारात्मक अंक भी दिये

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लार्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मानिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्राफ्ट (लार्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है।

इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लार्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लार्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्राफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही।

पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था। वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था।

उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेल 2026 के लिए पाकिस्तानी टीम घोषित, साहिबज़ादा फरहान बने कप्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर 2026 में होने वाले एशियाई खेलों के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज़ साहिबज़ादा फरहान को सौंपी गई है, जबकि अब्दुल समद को उपकप्तान बनाया गया है। साहिबज़ादा फरहान अब तक पाकिस्तान के लिए 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, लेकिन पहली बार उन्हें किसी सीमित ओवर प्रारूप में टीम की कप्तानी मिली है। घोषित 15 सदस्यीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। इनमें आकिफ जावेद, अली रज़ा, माज़ सादाकत और साद मसूद शामिल हैं। विकेटकीपर की जिम्मेदारी उस्मान खान को दी गई है। इस बार पाकिस्तान ने अपेक्षाकृत नई टीम चुनी है। हाल ही में टी20 विश्व कप खेलने वाले कई बड़े खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। नियमित कप्तान सलमान अली आगा, तथा प्रमुख खिलाड़ी बाबर आज़म, शाहीन अफरीदी और शादाब खान चयन से बाहर हैं। घोषित टीम के 15 में से 14 खिलाड़ी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सीमित ओवर शिविर का हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 15 जून से लाहौर में होगी। एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी, जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे। गौरतलब है कि क्रिकेट अब तक एशियाई खेलों में तीन बार शामिल किया जा चुका है – 2010, 2014 और 2022 संस्करण में। पाकिस्तान पिछली बार चौथे स्थान पर रहा था। एशियाई खेल 2026 के लिए पाकिस्तान टीम: साहिबज़ादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उपकप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रज़ा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज़, माज़ सादाकत, मोहम्मद सलमान मिर्ज़ा, साद मसूद, सैम अयूब, सूफियान मुकीम और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

विश्व कप से पहले अंतिम अभ्यास मैच में अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया

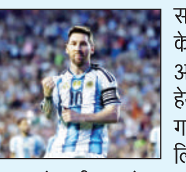

आबर्न। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने विश्व कप से पहले अपने अंतिम अभ्यास मुकाबले में बुधवार को आइसलैंड को 3-0 से हराकर दमदार तैयारी का संकेत दिया। अमेरिका के अलबामा राज्य के आबर्न स्थित जार्डन-हेयर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने बेंच से उतरकर पेनल्टी पर गोल दागा और टीम की जीत को यादगार बना दिया। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के पहले दस मिनट के भीतर वेलेंटिन बार्को ने शानदार गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में लगभग 20 मिनट शेष रहते लियोनेल मेसी मैदान पर उतरे। कुछ ही मिनट बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, जब लाउतारो मार्टिनेज़ को बाक्स के अंदर फाउल किया गया। मेसी ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। यह गोल मेसी के लिए खास रहा क्योंकि वर्ष 2018 के विश्व कप में आइसलैंड के खिलाफ ही वह पेनल्टी चूक गए थे। इस बार उन्होंने उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल कर पुरानी याद को पीछे छोड़ दिया। अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम चरण में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। 86वें मिनट में थियागो अल्मादा ने रोड्रिगो डी पाल के शानदार पास पर गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। पूरे मुकाबले में अर्जेंटीना ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और आइसलैंड को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ टीम ने विश्व कप अभियान से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाया।

श्रेयस को कप्तानी मिलने से उत्साहित पिता अपने दोस्तों के साथ नाचते दिखे

बेंगलुरु। श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 क्रिकेट टीम का नया कप्तान बनाये जाने के बाद से ही उनके परिवार में जश्न का माहौल है। इस खुशी के अवसर भी उनके पिता भी अपने दोस्तों के साथ नाचते गाते दिखे। बेटे श्रेयस को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सौंपे जाने की खबर मिलते ही संतोष की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वह अपने दोस्तों के साथ झूमते दिखे। इस खुशनुमा पल का एक वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर आया है। श्रेयस को सूर्यकुमार यादव की जगह पर भारतीय टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार को लंबे समय से खराब फार्म के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। कप्तानी मिलना श्रेयस के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने दो साल पहले दिसंबर 2023 में अपना अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसके बाद से ही यह वापसी पर कप्तानी मिलना उनके लिए एक बड़ी उपलबब्धि है। श्रेयस के पिता के वायरल वीडियो पर क्रिकेट प्रशंसकों की भावुक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि एक पिता के लिए दुनिया में इससे बड़ी कोई ट्राफी नहीं हो सकती कि उसका बेटा टीम इंडिया की कप्तानी करे।

मोरक्को में कोच्चर और भुल्लर की अगुवाई में उतरेगा 10 सदस्यीय भारतीय दल

रबात (मोरक्को)

भारतीय गोल्फ खिलाड़ियों का 10 सदस्यीय दल इस सप्ताह मोरक्को में होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। दो मिलियन अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाले इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

भारतीय दल की अगुवाई शानदार फार्म में चल रहे करनदीप कोच्चर और अनुभवी खिलाड़ी गगनजीत भुल्लर कर रहे हैं। इनके साथ भारत के दिग्गज गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी भी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय टीम में आर्यन रूपा आनंद, उदयन माने, एसएसपी चौरसिया, राशिद खान, शौर्य भट्टाचार्य, अजीतेश संधू और शुभम जगलान भी शामिल हैं। 26 वर्षीय करनदीप कोच्चर इस समय शानदार लय में हैं। इस सत्र में एशियाई टूर के केवल पांच मुकाबलों में उन्होंने तीन बार शीर्ष-10 में जगह बनाई है। हाल ही में आयोजित एएम ग्रीन आईजीपीएल भारत क्लासिक में उन्होंने संयुक्त नौवां स्थान हासिल किया था। इससे पहले वह इंटरनेशनल सीरीज़ जापान में संयुक्त पांचवें और फिलीपींस गोल्फ चैम्पियनशिप में चौथे स्थान पर रहे थे। पिछले वर्ष उन्होंने मिस्र गोल्फ सीरीज़ रेड सी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। कोच्चर ने कहा कि इस वर्ष उनका खेल लगातार बेहतर रहा है और वह अपनी लय से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं इस साल काफी अच्छा खेल रहा हूं। पांच प्रतियोगिताओं में तीन बार शीर्ष-10 में पहुंचना आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। जिन टूर्नामेंटों में परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहे, वहां भी मेरा खेल मजबूत रहा। पिछले तीन सप्ताह से मोरक्को में लगातार प्रतियोगिताएं खेलने के कारण शारीरिक थकान महसूस होने की बात स्वीकार करते हुए कोच्चर ने कहा कि यह टूर्नामेंट उनके करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मजागान बीच गोल्फ कोर्स पर तेज हवा में खेलना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। थोड़ी थकान महसूस हो रही है लेकिन मैं खुद को याद दिला रहा हूँ कि यह प्रतियोगिता जीवन बदलने वाली साबित हो सकती है। इसके बाद लंबा विश्राम मिलेगा, इसलिए अभी पूरी ताकत झोंकना जरूरी है। कोच्चर ने भारतीय गोल्फ प्रीमियर लीग और एशियाई टूर की साझेदारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय गोल्फ में काफी प्रतिभा है। इस साझेदारी से खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिला है। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शन करना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने मुस्कुराते हुए बताया, आज हमने अभ्यास के दौरान सात होल का एक छोटा मुकाबला भी खेला। मैं और आर्यन, अनिर्बान और शौर्य के खिलाफ खेल रहे थे। आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर हमने मैच बराबर कर लिया। कोच्चर ने आगे कहा कि लाहिड़ी जैसे खिलाड़ी के साथ रहना युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, अनिर्बान के पास पीजीए टूर और वैश्विक गोल्फ का विशाल अनुभव है। उनके साथ समय बिताकर बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अभी वैश्विक गोल्फ में वही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हम सभी उनके साथ खेलकर खुश हैं।

मुंबई टी20 लीग: सूर्यकुमार की कप्तानी वाली ट्रायम्फ्स नाइट्स बाहर हुई

मुंबई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली ट्रायम्फ्स नाइट्स मुंबई टी20 लीग से बाहर हो गयी है। सूर्यकुमार के लिए ये दोहरा झटका है। भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से बाहर होने के बाद अब उनकी टीम को मुंबई टी20 लीग में भी हार मिली है। सूर्या की टीम को अपने अंतिम मैच में ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने 24 रनों से हरा दिया। इस मैच में 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रायम्फ्स नाइट्स 18.5 ओवर में केवल 148 रन ही बना सकी। कप्तान सूर्यकुमार एक बार फिर रन बनाने में विफल रहे। वह 16 गेंदों पर केवल 20 रन ही बना पाये। ट्रायम्फ्स की ओर से अखिल हेरवाडकर और परीक्षित वलसांगकर ने 33-33 रन जबकि नूतन कुमार गोयल ने 19 रन बनाये। इससे पहले, टास जीतकर सूर्यकुमार ने ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाय। ईगल के साईराज पाटिल ने 46 गेंदों में पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार 69 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर शाश्वत जगताप ने 10 गेंदों में तेजी से29 रन बनाकर अपनी टीम को 172/8 रनों तक पहुंचाया। इस हार के साथ ही ट्रायम्फ्स नाइट्स लीग में पांच मैचों में से केवल एक ही जीत पाई और आठ टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर रही, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं, भारतीय टी20 टीम में सूर्यकुमार की जगह कप्तानी संभालने वाले श्रेयस अय्यर की टीम को भी आकाश टाइगर्स एमडब्ल्यूएस से हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस भी मैच में 10 रन बना पाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए आकाश टाइगर्स ने अजीत यादव 57 और जय गोकुल बिस्टा के 68 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 227 रन बनाये। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछ करते हुए फाल्कन्स 17.5 ओवर में 161 रनों पर सिमट गयी। इस हार के बाद भी सोबो मुंबई फाल्कन्स टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं।

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज़ बने

मुम्बई

युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं। गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं। इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकार्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं। रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े।

फिलीपींस में एवीसी महिला कप

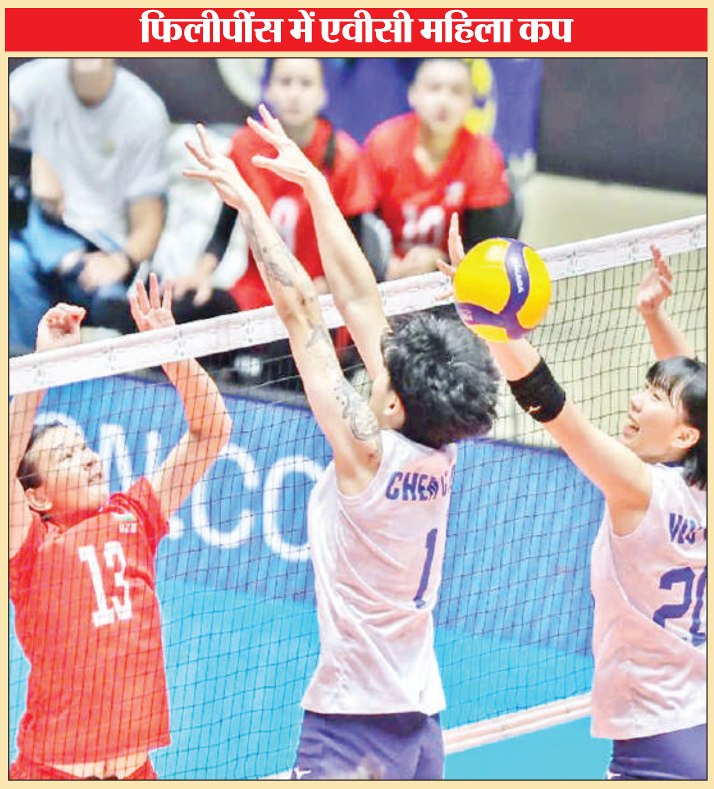

फिलीपींस में एवीसी महिला कप में भाग लेती हुई चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी।

बांग्लादेश ने 21 साल बाद आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच जीता

ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने मेहमान आस्ट्रेलियाई टीम को यहां खेले गये पहले ही एकदिवीसीय क्रिकेट मैच में 86 रनों से हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस प्रकार बांग्लादेश टीम ने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में 21 साल बाद आस्ट्रेलियाई टीम पर जीत हासिल की है। इससे पहले उसे अंतिम बार जीत साल 2005 में मिली थी। बारिश की बाधा के बीच ही मेजबान बांग्लादेश टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला डकवर्थ लुइस नियम से जीता। इस प्रकार ये जीत बांग्लादेश क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत साबित हुई है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने कई साल से आस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

गौरतब है कि आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच अब तक खेले गए 23 एकदिवसीय मुकाबलों में यह बांग्लादेश की अब तक की दूसरी जीत है। इससे पहले, 2005 में कार्डिफ में नेटवेस्ट ट्राफी के दौरान बांग्लादेश ने आस्ट्रेलिया को हराया था। इस मुकाबले में आस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान जोश इंग्लिस ने टास जीतकर ।बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 284 रन बनाए। आस्ट्रेलिया की ओर से नैथन एलिस ने 3 विकेट जबकि लियाम स्काट और मैट रेनशा ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रियाई टीम 42.2 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 191 रन ही बना सके। इसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया, और डीएलएस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रनों से विजयी घोषित कर दिया गया।

चार साल बाद टेनिस कोर्ट पर लौटीं सेरेना, जीत के साथ की शानदार वापसी

लंदन

टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने लगभग चार वर्ष बाद पेशेवर टेनिस में वापसी करते हुए क्वींस क्लब ग्रास कोर्ट प्रतियोगिता में मंगलवार को युगल मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। अमेरिकी स्टार ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ मिलकर अपना पहला मुकाबला जीता।

सेरेना और म्बोको की जोड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोल मेलिचार-मार्टिनेज और एरिन राउटलिफ़ की जोड़ी को 7-6 (2), 6-2 से हराया। यह मुकाबला वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन के बाद सेरेना का पहला पेशेवर मैच था। मैच के दौरान सेरेना ने 120 मील प्रति घंटे तक की रफ्तार से सर्विस की और कई दमदार विनर शाट लगाए। मुकाबले का अंत भी उन्होंने अपने अंदाज़ में किया— दो ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ।

जीत के बाद सेरेना ने कोर्ट पर कहा, यह बहुत मजेदार था। विक्टोरिया के साथ खेलकर मुझे बहुत आनंद आया। हमने पहले कभी साथ नहीं खेला, लेकिन कोर्ट पर सब कुछ बहुत स्वाभाविक लगा। हालांकि, बाद में प्रेस वार्ता में उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर विनम्रता दिखाई। उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में खुद को सी माइनस अंक दिए, लेकिन साथ ही कहा कि चार साल बाद सीधे घास के कोर्ट पर लौटना आसान नहीं होता और कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा।

सेरेना ने कहा, मुझे यहां खेलने का मौका पहले कभी नहीं मिला, क्योंकि यहाँ हमेशा पुरुष प्रतियोगिता होती थी। इतने प्रतिष्ठित स्थान पर खेलना बेहद खास अनुभव रहा। अपनी युवा जोड़ीदार विक्टोरिया म्बोको से प्रभावित सेरेना ने कहा, मुझे लगा वह बहुत शानदार तरीके से मूव कर रही थीं। एक बैकहैंड शाट पर तो मैं खुद हैरान रह गई। सेरेना ने कहा, फिलहाल मैं एक-एक दिन आगे बढ़ रही हूँ। निर्णय लेने के लिए अभी थोड़ा समय है।

सेरेना की वापसी इसलिए भी खास रही, क्योंकि विपक्षी टीम बेहद मजबूत थी। एरिन राउटलिफ़ दो बार अमेरिकी ओपन युगल चैंपियन रह चुकी हैं, जबकि निकोल मेलिचार-मार्टिनेज़ विंबलडन और अमेरिकी ओपन युगल फाइनल तक पहुंच चुकी हैं। सेरेना के खेल में कुछ जगह पुरानी लय की कमी दिखी, लेकिन कई मौकों पर उन्होंने साबित किया कि उनमें अभी भी शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता मौजूद है। क्वींस क्लब में दर्शकों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया। एंडी मरे एरिना में सेरेना को दिन की सबसे बड़ी तालियां मिलीं। इससे पहले दर्शक ब्रिटेन की एमा राडुकानू और केटी बोल्टर के मुकाबले भी देख चुके थे। सेरेना पहली बार क्वींस क्लब में उतरीं। यह वही प्रतिष्ठित स्थल है, जहां वर्षों तक केवल पुरुष प्रतियोगिताएँ आयोजित होती थीं और महिलाओं की प्रतियोगिता 2025 में दोबारा शुरू हुई। दर्शक दीर्घा में उनकी मित्र और स्कीइंग स्टार लिंडसे वान भी मौजूद थीं। उनकी दोनों बेटियाँ—ओलंपिया और अदीरा—भी मैच देखने पहुंचीं। अदीरा के लिए यह पहली बार था जब उन्होंने अपनी माँ को खेलते देखा।

अब सेरेना अगले सप्ताह जर्मनी में होने वाले बर्लिन ओपन में भी युगल मुकाबला खेलेंगी। हालांकि उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह 29 जून से शुरू होने वाले विंबलडन में हिस्सा लेंगी या नहीं। सेरेना विलियम्स अपने करियर में 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीत चुकी हैं, जिनमें सात विंबलडन खिताब शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीते हैं।

भारतीय धनाढ्यों का डालर-आधारित निवेशों की ओर रुझान

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल के दबाव ने बनाई स्थिति

नई दिल्ली

भारतीय धनिक परिवारों और फैमिली आफिसों के निवेश के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा जा रहा है। डालर और यूरो के मुकाबले रुपये में लगातार आ रही गिरावट के कारण अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने और बढ़ाने के लिए अब वे डालर से जुड़ी परिसंपत्तियों और विदेशी निवेश को तरजीह दे रहे हैं।

पहले ये निवेशक मुख्य रूप से घरेलू शेयर बाजार, सावधि जमा और रियल एस्टेट जैसे विकल्पों में पूंजी लगाते थे। जानकारों का कहना है कि यह केवल मुद्रा बाजार की अस्थिरता के जोखिम से बचने का तरीका नहीं है, बल्कि लंबे समय के लिए पूंजी लगाने की एक सोची-समझी और स्थायी रणनीति है। पीएल वेल्थ के एक प्रमुख अधिकारी (प्रोडक्ट ऐंड फैमिली आफिस) के अनुसार यह कोई अल्पकालिक बदलाव नहीं है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बाजार से निकासी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के दबाव जैसे कारक इस दीर्घकालिक रुझान को और मजबूत कर रहे हैं। हाल के वर्षों में डालर के मुकाबले रुपये में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले दो सालों में 14 फीसदी से अधिक गिर चुका है। वहीं यूरो की तुलना में यह पिछले 12 महीनों में 7 फीसदी से अधिक और दो सालों में लगभग 16 फीसदी तक गिरा है। इस अस्थिरता ने निवेशकों को अपनी पूंजी की सुरक्षा और वृद्धि के लिए नए रास्ते तलाशने पर मजबूर किया है।

धनाढ्य निवेशक अब लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) और गुजरात में स्थित गिफ्ट आईएफएससी जैसे माध्यमों का उपयोग करके अपनी पूंजी सीधे विदेश में लगा रहे हैं। यह भी बताते हैं कि अधिक से अधिक फैमिली आफिस भारतीय रिजर्व बैंक से विदेशों में फैमिली आफिस शुरू करने की मंजूरी मांग रहे हैं, जिसका उद्देश्य विनियमित संस्थाओं के माध्यम से विदेशी पूंजी लगाने का एक दीर्घकालिक और सुरक्षित रास्ता तैयार करना है। वे बताते हैं कि उच्च नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों (एचएनआई) और फैमिली आफिसों के बीच डालर-आधारित संपत्तियों की मांग स्पष्ट रूप से बढ़ रही है।

पारंपरिक घरेलू शेयरों और एफडी के बजाय, अब वैश्विक सूचकांकों, यूरोप के मिडकैप और अमेरिकी प्रौद्योगिकी फंडों पर केंद्रित विदेशी इक्विटी फंडों में निवेश पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हालांकि, वे सलाह देते हैं कि विदेशी इक्विटी में आकर्षण भले ही अधिक हो, लेकिन डालर-आधारित फिक्स्ड इनकम के फायदेमंद अवसरों को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। यह प्रवृत्ति भारतीय निवेशकों की बढ़ती वैश्विक सोच और अपनी संपत्ति को मुद्रा जोखिमों से बचाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य तेलों के पैक साइज मानकीकरण पर सरकार के फैसले का फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स ने किया स्वागत

नई दिल्ली। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स ने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा खाद्य तेलों के लिए तय किए गए मानक पैक आकारों (200 मिली/ग्राम से 20 लीटर/किग्रा तक) की सरकारी अधिसूचना का स्वागत किया है। कंपनी ने इसे पारदर्शिता, एकरूपता और उपभोक्ताओं के हित में उठाया गया एक प्रगतिशील कदम बताया है।

फ्रीडम ऑयल्स हमेशा से पैकेजिंग में स्पष्टता और उपभोक्ता जागरूकता का समर्थक रहा है। कंपनी अपने पैक रिव्यू सिस्टम, चूना लगा और 'ध्यान से लीजिए' जैसे अभियानों के जरिए ग्राहकों को वजन, शुद्ध मात्रा और सही कीमत जांचकर तेल खरीदने के लिए जागरूक करती आ रही है।

इस अवसर पर फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) श्री पी. चंद्र शेखर रेड्डी ने कहा, हम इस उपभोक्ता-अनुकूल कदम के लिए भारत सरकार का धन्यवाद करते हैं। इससे बाजार में स्पष्टता आएगी और उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

वहीं, कंपनी के मार्केटिंग हेड श्री चेतन पिम्प-लखुटे ने कहा, हमारा उद्देश्य हमेशा उपभोक्ताओं को सही जानकारी देकर सशक्त बनाना रहा है। हम आगे भी ग्राहकों के बीच विश्वास और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

सेबी ने ओयो समेत 5 कंपनियों को दिया आब्जर्वेशन लेटर, अब ला सकेंगी आईपीओ

नई दिल्ली

देश का प्राइमरी मार्केट एक बार फिर रफ्तार पकड़ता हुआ नजर आने लगा है। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) ने अलग-अलग सेक्टर की पांच कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। यानी सेबी की ओर से इन कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

सेबी ने इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट, एग्रीकल्चर, हास्पिटेलिटी, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दी है। इन कंपनियों में हास्पिटेलिटी सेक्टर में काम करने वाली ओयो की पैरेंट कंपनी आरवेल स्टेज, रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विगालैंड डेवलपर्स, अफार्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस, एग्रीकल्चर सेक्टर की कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज और इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी मेहता हाइटेक इंडस्ट्रीज हैं।

सबसे पहले बात करते हैं ओयो की पैरेंट कंपनी आरवेल स्टेज की। यह कंपनी हास्पिटैलिटी सेक्टर में टेक्नोलाजी बेस्ड प्लेटफार्म चलाती है। कंपनी होटल, वेकेशन होम्स और अन्य रेसिडेंशियल सर्विस के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बन चुकी है। सेबी ने कंपनी को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। कंपनी की योजना अपने आईपीओ के जरिए कारोबार बढ़ाने के लिए फंड जुटाने की है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपना वैल्यूएशन बढ़ा कर 66 हजार करोड़ तक ले जाना चाहती है। कुछ साल पहले तक लगातार नुकसान का सामना कर रही यह कंपनी पिछले कुछ वर्षों से मुनाफा कमाने की राह पर चल पड़ी है, जिसकी वजह से इसके आईपीओ को लेकर प्राइमरी मार्केट में लोगों के बीच काफी उत्साह बना हुआ है।

इसी तरह केरल की रियल एस्टेट कंपनी विगालैंड डेवलपर को भी मार्केट रेगुलेटर सेबी ने आईपीओ लाने के लिए आब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है। आईपीओ के जरिए कंपनी 250 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में सिर्फ नए शेयर जारी किए जाएंगे। कोई आफर फार सेल नहीं होगा। आईपीओ के जरिए मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने

रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने, नई जमीन की खरीदारी करने और आम कारपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने में करेगी।

सेबी ने अफार्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस को भी आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी प्राइमरी मार्केट से 3,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इस आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 1,500 करोड़ रुपये के शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। आफर फार सेल विंडो के जरिए कंपनी का मौजूदा शेरधारक मैंगो क्रेस्ट इन्वेस्टमेंट अपनी हिस्सेदारी कम करेगा। आईपीओ में नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल बेस को मजबूत करने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में करेगी।

एग्रीकल्चर साल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज को भी सेबी ने आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से आफर फार सेल के रूप में होगा। इस आईपीओ के तहत कंपनी के मौजूदा शेरधारक 3.61 करोड़ इक्विटी शेयर की बिक्री करेंगे। एडवांटा एंटरप्राइजेज हाइब्रिड बीज और फसल की कटाई के बाद की प्रोसेसिंग से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराती है।

इसी तरह इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी मेहता हाइटेक इंडस्ट्रीज को भी सेबी ने आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी आईपीओ के तहत 62 लाख नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने तथा अन्य कार्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। यह कंपनी कार्बन डाइआक्साइड लेजर सिस्टम, सीएनसी राउटर, फाइबर लेजर मशीन और डिजिटल प्रिंटर जैसे इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट का प्रोडक्शन करती है।

कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजना पर हैदराबाद में गुरुवार को होगा रोड शो

नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय 11 जून को हैदराबाद में अपना अगला रोड शो का आयोजन करेगा। नई दिल्ली में कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स पर सफल रोड शो से मिली मजबूत गति को आगे बढ़ाते हुए यह रोड शो किया जायेगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी हैदराबाद रोडशो में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक यह रोडशो नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचारों, निवेश के अवसरों और परियोजना कार्यान्वयन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। ये नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और निवेशकों को एक साथ एक मंच लाएगा ताकि, देशभर में कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए सहयोगात्मक मार्ग ढूंढे जा सकें। इस आयोजन से हितधारकों की सहभागिता को और मजबूत करने, रणनीतिक साझेदारियों को सुगम बनाने और भारत में कोयला गैसीकरण के लिए एक सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण में सहयोग मिलने की आशा है। इन पहलों के माध्यम से कोयला मंत्रालय नवाचार को बढ़ावा देने, उद्योग की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, संसाधनों के सतत उपयोग और औद्योगिक विकास के द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सरकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, अपर सचिव सनोज कुमार झा, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, कोयला एवं लिग्नाइट कंपनियों के प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी प्रदाता, उद्योग संघ, निवेशक और अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित रहेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विफलता कांग्रेस...

एक व्यवस्था लोगों को इंतजार कराती थी। आज की व्यवस्था परिणाम दिखाती है। एक व्यवस्था काम अटकाती-भटकाती थी। आज की व्यवस्था कहती है, काम अभी होगा, समय पर होगा और बड़े पैमाने पर होगा और इसलिए 2014 से 2026 की कहानी केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है, ये उस भारत की कहानी है जिसने पहली बार अपनी पूरी क्षमता के साथ दौड़ना तय किया है...।

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के समय में जब हर तरह हाहाकार मचा हुआ था तो भारत ने उस हालत का सफलता से मुकाबला किया और आगे बढ़ा। पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया की अर्थव्यस्थाएं संघर्ष कर रही हैं तो भारत 7.7 प्रतिशत से आगे बढ़ रहा है। ये सफलता इतनी आसान नहीं है। कल के विकसित भारत की गारंटी है आज का आकांक्षी भारत।

हिंदू विकास दर भारतीय अर्थव्यवस्था की उस धीमी वृद्धि को कहा जाता है जो स्वतंत्रता के बाद लगभग 1950 से 1980 के दशक तक चली। इस अवधि में भारत की औसत वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर तीन से साढ़े 3 प्रतिशत के आसपास रही, जबकि प्रति व्यक्ति आय वृद्धि 1.3 प्रतिशत से भी कम थी।

समाजवादी नीतियां, लाइसेंस राज, अत्यधिक सरकारी नियंत्रण, नौकरशाही और बंद अर्थव्यवस्था को धीमी विकास दर की वजह बताई जाती है। इन नीतियों ने उद्यमिता को कुचल दिया, प्रतिस्पर्द्धा की भावना पनपने नहीं दी, उत्पादकता बढ़ने नहीं दी। 1990-91 के आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत इस दर को पार कर गया और तेज विकास की राह पर बढ़ा।

पीएम को शुभेंदु ...

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, आज एनडीए मीटिंग में साथी नेताओं के साथ झालमुड़ी शेयर करते हुए। वीडियो में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को प्रधानमंत्री मोदी, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य एनडीए नेताओं को झालमुड़ी परोसते हुए देखा जा सकता है।

यह पहला मौका नहीं है जब प्रधानमंत्री मोदी को झालमुड़ी का आनंद लेते देखा गया हो। इससे पहले 19 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी उनका ऐसा ही अंदाज देखने को मिला था। झारग्राम में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद जब प्रधानमंत्री अपने हेलीकॉप्टर की ओर जा रहे थे, तब वह अचानक सड़क किनारे लगे एक झालमुड़ी स्टॉल पर रुक गए थे।उन्होंने स्थानीय विक्रेता से बातचीत की, झालमुड़ी खरीदी और लोगों से भी कुछ देर तक संवाद किया था। उस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। इसके बाद झालमुड़ी सिर्फ एक स्ट्रीट फूड नहीं रही, बल्कि बंगाल चुनाव की राजनीति में एक प्रतीक बनकर उभरी। बीजेपी ने भी इसे अपने चुनाव प्रचार का हिस्सा बनाया। पार्टी के कई बड़े नेता झालमुड़ी खाते नजर आए थे।

इतना ही नहीं, चुनावी जीत के बाद बीजेपी मुख्यालय में समर्थकों के बीच झालमुड़ी बांटकर जश्न भी मनाया गया।

शक्ति प्रदर्शन का मंच बना भारत मंडपम

बुधवार को भारत मंडपम में एनडीए घटक दलों का बड़ा कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने का जश्न मनाना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार चुने गए प्रधानमंत्री बनने के ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करना था। प्रधानमंत्री मोदी, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और एनडीए के सभी घटक दलों के प्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। एनडीए शासित सभी 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसके अलावा गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने भी बैठक में भाग लिया। इसे एनडीए की आगामी राजनीतिक रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

दुनिया भर के नेताओं ...

पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे उल्लेखनीय उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे भारत-ब्रिटेन साझेदारी और मजबूत होगी। इसके अलावा भूटान के पीएम शेरिंग टोबगे (जिन्होंने पीएम मोदी को मित्र, भाई और मेंटर बताया), मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू, मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम, श्रीलंका के राष्ट्रपति अरुणा कुमारा दिसानायके और नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद तिनुबू सहित अफ्रीका और अमेरिका के कई नेताओं ने बधाई संदेश भेजे।

कैसे टूटा जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड?

बता दें कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने साल 1952 में देश के पहले आम चुनाव के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था और वह 27 मई 1964 (अपने निधन) तक लगातार 4,398 दिनों तक इस पद पर रहे। हालांकि, वह 1947 से 1952 तक अंतरिम सरकार के प्रमुख भी थे, लेकिन निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर उनका कार्यकाल 4,398 दिनों का था। वहीं, साल 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री चुने गए नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लगातार 4,399 दिन पूरे कर इस रिकॉर्ड को पार कर लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 15 साल से अधिक समय तक देश की सेवा की थी, लेकिन उनका कार्यकाल निर्बाध नहीं था। वह 1966 से 1977 तक लगातार तीन बार पीएम रहीं और फिर साल 1980 से 1984 तक उनका चौथा कार्यकाल रहा।

एसआईआर : मैपिंग...

जो हर पात्र नागरिक को प्राप्त है। ओवैसी ने वोटर लिस्ट के अपडेशन की बारीकियों को समझाते हुए बताया कि 2002 और 2024 की वोटर लिस्ट का मिलान किया जा रहा है। जिन लोगों के नाम पुरानी लिस्ट में हैं, मजलिस उनकी मदद कर रही है। हालांकि, तकनीकी स्तर पर कई विसंगतियां सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा, अगर किसी व्यक्ति और उसके पिता की उम्र में सिर्फ 15 साल का फर्क आ रहा है, तो चुनाव आयोग उसे खामी मानकर दर्ज कर रहा है। इसी तरह दादा और पोता-पोती की उम्र के अंतर में भी तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिन्हें सुधारना बेहद जरूरी है। एआईएमआईएम चीफ ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि आगामी 25 जून से एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे जाएंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस फॉर्म को लेकर घर में संभालकर न रखें, बल्कि इसे भरकर तुरंत जमा करें। ओवैसी ने कहा, ''अगर आप फॉर्म जमा नहीं करेंगे, तो आपका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं आएगा। अगर आपका पता बदल गया है तो फॉर्म-8 भरें और नाम गायब है तो फॉर्म-6 भरें। फॉर्म पर हस्ताक्षर करें, नई फोटो लगाएं और बीएलओ के हवाले करें।

जनता को सतर्क करते हुए ओवैसी ने कहा, यह सिर्फ वोट डालने का अधिकार खोने की बात नहीं है, बल्कि आपकी नागरिकता पर भी सवालिया निशान खड़ा हो सकता है। देश में ऐसी ताकतें सक्रिय हैं जो गरीबों, दलितों और मुसलमानों को वोटर लिस्ट से नाम हटाकर स्टेटलेस (पहचान विहीन) बनाना चाहती हैं। मैं डराने के लिए नहीं, बल्कि हकीकत बयां कर रहा हूं। तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तराखंड में भी समाज के जिम्मेदारों को इस पर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

ओवैसी ने जानकारी दी कि मजलिस ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर दस्तावेजों की सूची को आसान बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास कास्ट सर्टिफिकेट या शैक्षणिक डिग्री नहीं है, उनके लिए चुनाव आयोग को ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड और राशन कार्ड को भी पहचान के रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि ये सभी दस्तावेज सरकार द्वारा ही जारी किए जाते हैं।

अमेरिकी हमले ...

चार्ज डी अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया। भारत ने जहाज पर हुए हमले की निंदा की और समुद्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की अस्थिर स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए भारत ने इस समुद्री हमले को सीधे तौर पर उस इलाके में चल रहे बड़े भू-राजनीतिक तनाव से जोड़ा है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, इस इलाके में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बहुत चिंताजनक हैं और ये इलाके में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा हैं। मंत्रालय ने शांति बहाल करने के लिए तुरंत युद्धविराम और कूटनीतिक बातचीत के ज़रिए जल्द समाधान निकालने की अपील की।

भारत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वैश्विक व्यापार मार्गों को भू-राजनीतिक तनाव के असर से बचाया जाना चाहिए। सरकार ने आम लोगों के बुनियादी ढांचे और कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाए जाने को तुरंत रोकने की मांग की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के सख्ती से पालन के साथ अहम जलमार्गों से जहाजों की आवाजाही को बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करें।

जहाज पर इंजन रूम में आग लगने की सूचना

रॉयटर्स के अनुसार यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स एजेंसी ने बताया कि पलाऊ के झंडे वाला एक केमिकल/ऑयल प्रोडक्ट टैंकर ओमान के सोहर बंदरगाह से 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में था, तभी उसके इंजन रूम में आग लगने की सूचना मिली।

ब्रिटिश मैरीटाइम रिस्क मैनेजमेंट ग्रुप 'वैनगार्ड' के अनुसार, यह जहाज सेटेबेलो था और ओमान की नौसेना ने जहाज की मदद के लिए भेजी गई आपातकालीन कॉल (डिस्ट्रेस कॉल) पर तुरंत कार्रवाई की।

मरीन ट्रैफिक शिप-ट्रैकिंग प्लेटफ़ॉर्म के अनुसार टैंकर आंशिक रूप से भरा हुआ था और आखिरी बार 1 जून को ओमान के तट के पास देखा गया था।अमेरिका ने 13 अप्रैल को ईरान से जुड़े जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाना शुरू किया था, जब ईरान ने दुनिया के तेल और गैस के मुख्य रास्ते, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही को बहुत कम कर दिया था।सेंटकॉम ने 8 जून को कहा कि अमेरिकी सेना ने नियमों का पालन न करने वाले सात जहाजों को रोक दिया, नियमों का पालन करने वाले 134 जहाजों का रास्ता बदल दिया और मानवीय सहायता ले जा रहे 42 जहाजों को जाने दिया।

मध्य पूर्व में...

सेंटकॉम ने ईरान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने कमांड एवं नियंत्रण केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन, निगरानी रडार, ड्रोन भंडारण सुविधाएं और मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया।

हमले मुख्य रूप से क़ेश्म द्वीप, बंदर अब्बास, सीरिक द्वीप और बंदर जास्क क्षेत्रों में आईआरजीसी से जुड़े ठिकानों पर हुए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों को भी सटीक हथियारों से तबाह किया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई हाल के हमलों और अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर खतरे के जवाब में की गई।

ईरान की जवाबी कार्रवाई

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बहरीन में स्थित अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस पर ड्रोन हमला करने का दावा किया। आईआरजीसी ने कहा कि यह हमला शहीद-136 जैसे हमलावर ड्रोन से किया गया। ईरान ने इसे अमेरिकी हमले का जवाब बताया और चेतावनी दी कि अगर हमले जारी रहे तो और भारी जवाब दिया जाएगा। बहरीन और आसपास के क्षेत्रों में एयर रेड सायरन बजाए गए और कई मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया गया।

अमेरिका ने इस हमले में अपने अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। एफ-35 स्टेल्थ फाइटर जेट, एफ/ ए -18 सुपर हॉर्नेट और बी -52 बॉम्बर्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल थे। सटीक हमलों के लिए जेडएएम गाइडेड बम, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल और अन्य स्मार्ट हथियारों का प्रयोग हुआ। इन हथियारों की खासियत यह है कि ये बेहद सटीक हैं और सिविलियन इलाकों को नुकसान पहुंचाए बिना सैन्य ठिकानों को नष्ट कर सकते हैं।

फरवरी 2026 में अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर बड़े हमले किए थे। उसके बाद एक नाजुक सीजफायर हुआ, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल जहाजों की सुरक्षा, नौसैनिक ब्लॉकेड और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर विवाद जारी रहा। ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण चाहता है, जबकि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहता है। अपाचे हेलिकॉप्टर की घटना ने इस सीजफायर को तोड़ दिया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल: तेल की आपूर्ति पर खतरा

खाड़ी क्षेत्र में तेल की आपूर्ति दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस संघर्ष से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं और वैश्विक बाजार प्रभावित हो सकते हैं। अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेनाएं क्षेत्र में पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी ईरानी जवाब का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। वहीं ईरान ने भी मजबूत प्रतिरोध की बात कही है।

दोनों पक्ष पूर्ण युद्ध नहीं चाहते, लेकिन छोटी-छोटी घटनाएं बड़े संघर्ष को जन्म दे सकती हैं। ट्रंप प्रशासन डिप्लोमेसी के जरिए समझौते की बात कर रहा है, लेकिन सैन्य तैयारियां भी तेज हैं। दुनिया भर के नेता इस स्थिति पर चिंता जता रहे हैं और तनाव कम करने की अपील कर रहे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच यह नया दौर फिर से साबित करता है कि मध्य पूर्व कितना अस्थिर है। अपाचे हेलिकॉप्टर की घटना, अमेरिकी हमले, आईआरजीसी का जवाब और पांचवां बेड़ा पर दावा 0 ये सभी घटनाएं दिखाती हैं कि क्षेत्र में शांति कितनी नाजुक है। दोनों देशों को संयम बरतना होगा, वरना यह छोटा संघर्ष बड़े युद्ध में बदल सकता है।

टीएमसी में...

हालांकि, इन घटनाक्रमों पर टीएमसी नेतृत्व की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बागी खेमे के दावे सही साबित होते हैं, तो यह 28 वर्ष पुरानी तृणमूल कांग्रेस के इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक संकट साबित हो सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 11 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ प्रतिमाह होगा विशेष हवन

लव फॉर काऊ फाउंडेशन की बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय

गौसेवा एवं गौसंरक्षण के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का आह्वान

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्ति पर जसमतभाई पटेल का किया गया अभिनंदन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा प्रतिमाह विशेष हवन एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह निर्णय कोठी स्थित मित्तल चैंबर में एन.एस. पटेल एजेंसी कार्यालय में आयोजित लव फॉर काऊ फाउंडेशन की विशेष बैठक में लिया गया। फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल ने की। बैठक में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, श्री महावीर स्वामी फीलखाना संघ के पूर्व मंत्री मुकेश चौहान जैन, श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण कुमार मेहता, भारत भारती हैदराबाद के संयोजक संजय घनाटे, श्री महावीर जैन सेवा संघ के अध्यक्ष आर.के. जैन, महेंद्र हिल्स गौशाला के संस्थापक मारनूरी श्रीकांत शर्मा तथा शांतिगुरु जैन मंदिर के अरिहंत कटारिया जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

बैठक में गौमाता को समाज एवं राष्ट्र जीवन में उचित स्थान दिलाने के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्राप्त नहीं होता, तब तक हैदराबाद शहर एवं आसपास की गौशालाओं में प्रत्येक माह एक बार विशेष सुरभि विष्णु महायज्ञ (हवन) का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस संकल्प से जोड़ना तथा गौसंरक्षण अभियान को गति प्रदान करना है।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे तेलंगाना तथा विशेष रूप से भाग्यनगर की पावन भूमि पर गौमाता को कत्लखानों में जाने से बचाने एवं उनकी रक्षा के लिए विशेष रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने सभी हिंदू, सनातन धर्मावलंबियों एवं गौभक्तों से एक मंच पर आने तथा बड़े स्तर पर गौसेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन जसमतभाई पटेल ने केंद्र की एनडीए सरकार एवं तेलंगाना राज्य सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की दिशा में सकारात्मक पहल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गौमाता से जुड़े आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक तथ्यों का प्रभावी और व्यापक प्रचार-प्रसार समाज में किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केवल घर बैठकर गौमाता की जय-जयकार करने से परिस्थितियां नहीं बदलेंगी। यदि हम वास्तव में गौभक्त हैं तो हमें प्रतिदिन गाय का दूध और उससे बने उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमीर हो या गरीब, लगभग हर परिवार में प्रतिदिन कम से कम आधा लीटर दूध का उपयोग होता है। यदि देश के गौभक्त केवल गाय के दूध से बनी चाय पीने तथा अपने बच्चों को गाय का दूध पिलाने का संकल्प लें, तो बाजार में गाय के दूध की मांग बढ़ेगी। इससे अधिक लोग गोपालन की ओर आकर्षित होंगे और परिणामस्वरूप गोहत्या में स्वतः कमी आएगी। बैठक के पश्चात हाल ही में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से भारत भारती संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव तथा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत के करकमलों से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाले गौरवशाली समाज-सेवी जसमतभाई नानजीभाई पटेल का अभिनंदन किया गया। प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन एवं श्री गुजराती ब्राह्मण समाज की ओर से उनका सम्मान कर उनके सामाजिक एवं राष्ट्रसेवा संबंधी योगदान की सराहना की गई।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज का दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 13 से

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा पुरुषोत्तम मास के समापन अवसर पर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन का शुभारंभ शनिवार, 13 जून 2026 की सायंकाल से होगा।

इस संबंध में आज शृंग ऋषि भवन में समाज की एक बैठक अध्यक्ष श्याम सुन्दर उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ शृंग वंदना से हुआ। इसके पश्चात समाज के महामंत्री मुरलीधर तिवारी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

महामंत्री ने बताया कि 13 जून 2026 को रात्रि 8:31 बजे से भाग्यनगर में प्रथम बार श्री रामदेवजी महाराज का भव्य जम्मा (जागरण) प्रारंभ होगा। इस अवसर पर अमरपुरा (नागौर) निवासी श्री टिकमदासजी महाराज का विशेष सान्निध्य एवं आगमन रहेगा, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ेगी।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में 14 जून 2026 को दोपहर 1:11 बजे से श्री राम दरबार, श्री विजय शंकर महाराज एवं श्री वीर हनुमानजी महाराज का अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य श्री वासुदेवजी तिवारी के आचार्यत्व में संपन्न होगा। सायं 5:01 बजे से संपूर्ण मंदिर परिसर को दीपों से सजाया जाएगा। इसके पश्चात 5:31 बजे महाआरती का आयोजन होगा तथा आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण प्रारंभ किया जाएगा।

धार्मिक आयोजन के अंतर्गत सायं 6:31 बजे से श्री विश्वविजय मित्र मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन समिति ने सभी स्वजातीय बंधुओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर दिव्य दर्शन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ लेने का विनम्र आग्रह किया है।बैठक में समाज के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सह-कोषाध्यक्ष रामनिवास ओझा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ बैठक का समापन हुआ।

श्मशान वाटिका के विकास हेतु 49 लाख स्वीकृत

जीएचएमसी की मंजूरी से समाज में खुशी की लहर

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दोमलगुड़ा स्थित वाल्मीकि मेहतर समाज श्मशान वाटिका के विकास एवं रखरखाव के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा 49 लाख की धनराशि स्वीकृत किए जाने पर समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। समाज के प्रतिनिधियों ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए जीएचएमसी प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, श्मशान वाटिका के विकास एवं रखरखाव के लिए 49 लाख की स्वीकृति डोमलगुड़ा वाल्मीकि मेहतर श्मशान वाटिका समिति के निरंतर प्रयासों एवं प्रशासन के समक्ष लंबे समय से उठाई जा रही मांगों का सकारात्मक परिणाम है। समिति के इन प्रयासों को सफल बनाने में हैदराबाद जिला विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य विक्की ढिलोड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विशेष सहयोग, सतत प्रयासों एवं निरंतर अनुसरण के कारण यह स्वीकृति प्राप्त हो सकी।

जोनल कमिश्नर के प्रति जताया आभार

समिति ने जीएचएमसी सिकंदराबाद ज़ोन की जोनल कमिश्नर श्रीमती मंगता रुलु के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। समिति का कहना है कि उनके सकारात्मक दृष्टिकोण, सहयोग एवं सक्रिय पहल के कारण यह निधि स्वीकृत हो सकी। समाज के लोगों का मानना है कि इस विकास कार्य से श्मशान वाटिका में आने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं तथा सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

समाज के प्रतिनिधियों ने किया सम्मान

इस अवसर पर श्मशान वाटिका समिति के अध्यक्ष सुभाष डुलगच, प्रकाश बिडलान (सेठ पाल), धर्मवीर चिंडालिया (धम्मो भाई), जे. सुरेंद्र, राजेंद्र (पप्पू), विजय (पापा), राजेश पारचा तथा विक्की ढिलोड सहित समिति एवं समाज के अन्य पदाधिकारियों ने जोनल कमिश्नर का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

समस्त वाल्मीकि मेहतर समाज ने जीएचएमसी प्रशासन एवं जोनल कमिश्नर श्रीमती मंगता रुलु का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह स्वीकृति समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

समाज के प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस निधि से श्मशान वाटिका का आधुनिकीकरण होगा तथा भविष्य में यह परिसर बेहतर सुविधाओं से युक्त एक आदर्श सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा।

राधे-राधे ग्रुप ने मेरे जन्मदिन को बना दिया जीवन की अविस्मरणीय स्मृति : रुचि अग्रवाल

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रुचि अग्रवाल का जन्मदिन सेवा, संवेदना और मानवता के भाव के साथ मनाया गया।

अपने जन्मदिन के अवसर पर भावुक होते हुए रुचि अग्रवाल ने कहा कि जीवन में जन्मदिन तो हर वर्ष आता है, लेकिन कुछ पल ऐसे होते हैं जो हमेशा के लिए दिल में बस जाते हैं। आज राधे-राधे ग्रुप के परिवार ने उन्हें जो सम्मान, अपनापन और प्रेम दिया है, उसने उनके मन को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के बीच बैठकर, उन्हें भोजन कराकर और उनके चेहरे पर मुस्कान देखकर जो आत्मिक सुख मिला है, वह किसी भी भौतिक उपहार से कहीं अधिक मूल्यवान है।

रुचि अग्रवाल ने कहा कि आज उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है मानो उनका जन्मदिन केवल उनका नहीं, बल्कि उन सभी जरूरतमंद भाइयों-बहनों का उत्सव बन गया हो जिनके साथ यह खुशी साझा करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने उन्हें वह अनुभव दिया है जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह दिन उनके जीवन की सबसे सुंदर और भावनात्मक यादों में शामिल हो गया है, जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगी।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने रुचि अग्रवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन की कामना की। सभी ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश है और इससे मानवता की भावना और अधिक मजबूत होती है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रुचि अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, अखिल अग्रवाल, खुशी अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम पीपावत, मनीष चिंडालिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जय प्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता, रविंद्र शर्मा, सुरेश सिंघल एवं सोहन लाल दायमा उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और मानव सेवा का यह पावन अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सोमाजीगुडा स्थित पंजाब नेशनल बैंक की सोमाजीगुडा शाखा के मुख्य प्रबंधक का पद ग्रहण करने पर बाबुलाल कुमावत को बधाई देते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, एवं रामचन्द्र कुमावत।

गच्छाधिपति श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी म.सा. के चातुर्मास प्रवेश महोत्सव के अवसर पर पद्म भूषण श्री डी.आर. मेहता (पूर्व चेयरमैन, सेबी) को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए चातुर्मास स्वागत समिति के अध्यक्ष बाबूलाल डोसी। साथ में अखिल भारतीय खरतरगच्छ प्रतिनिधि महासभा, जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य पदमसिंह चौधरी।

फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी का शुभारंभ

सीएम रेवंत रेड्डी ने दिया विश्व स्तरीय, प्रदूषण मुक्त महानगर बनाने का भरोसा

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को भारत फ्यूचर सिटी में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) भवन का उद्घाटन किया। यह तेलंगाना को एक विश्व स्तरीय और प्रदूषण मुक्त महानगर बनाने की दिशा में राज्य की तैयार का एक बड़ा संकेत है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने नए आवंटित कक्ष में पूजा-अर्चना की, एफसीडीए के आधिकारिक लोगोका अनावरण किया और इसके वेब पोर्टल को लॉन्च किया। त्वरित प्रशासनिक काम-काज को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने फ्यूचर सिटी के व्यापक मास्टर प्लान को तैयार करने की जिम्मेदारी संभालने वाली कंसल्टिंग फर्म को लेटर ऑफ अवार्ड सौंपा। साथ ही, उन्होंने मंच पर ही कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर कई आसपास के गांवों को इस नए विकास क्षेत्र (डेवलपमेंट जोन) में शामिल करने की औपचारिक घोषणा की।

इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, कैबिनेट मंत्री दुद्दिपल्ला श्रीधर बाबू व पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कई सांसद, विधायक और प्रशासनिक सलाहकार मौजूद रहे। इस समारोह के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शमशाबाद हवाई अड्डे से कल होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली रवाना हो गए।

1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण

एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 'भारत फ्यूचर सिटी' को देश की आर्थिक प्रगति के मुख्य आधार के रूप में पेश किया। उन्होंने लक्ष्य रखा कि वर्ष 2034 तक यह क्षेत्र देश की 1 ट्रिलियन (1 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाला एक महत्वपूर्ण इंजन बनेगा।

200 वर्ष पहले हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों के रूप में हुए विकास और उसके बाद साइबराबाद के उभार का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दीर्घकालिक विजन के लिए अल्पकालिक राजनीतिक विरोधों से पार पाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, पिछले शासकों को भी हाईटेक सिटी, आउटर रिंग रोड , अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और जीनोम वैली जैसी परियोजनाएं लाते समय भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। अगर वे उन साजिशों के आगे झुक जाते, तो क्या आज हैदराबाद में 10 लाख लोगों को रोजगार मिल पाता? आज हम आने वाले कल के भविष्य की नींव रख रहे हैं।

विपक्षी ताकतों पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने उन आलोचकों की तुलना की जो फार्महाउसों और विदेशों से इस परियोजना को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने उनकी इस सोच को नकार दिया है। यदि विपक्ष ने फ्यूचर सिटी प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश की, तो अगले चुनाव में वे अपनी बची-कुची राजनीतिक जमीन भी खो देंगे।

फ्यूचर सिटी के विकास और फोकस क्षेत्र

राज्य सरकार इस आगामी महानगर को एक अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए एक ग्लोबल समिट आयोजित करने की योजना बना रही है। इसके ब्लूप्रिंट में मुख्य रूप से इन उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है: दुनिया की 500 सबसे बड़ी फॉर्च्यून 500 कंपनियों को आकर्षित करना।

ग्रीन फार्मा, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और प्रमुख आईटी कंपनियों के लिए समर्पित हब स्थापित करना।

सीएम रेवंत रेड्डी ने बताया कि इस परियोजना की कमान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और आईटी मंत्री श्रीधर बाबू के हाथों में होगी, जो हर हफ्ते फ्यूचर सिटी का दौरा करेंगे।

लेक इकोनॉमी और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान

सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा, एक बारिश में ही हाईटेक सिटी में पानी भर जाना और भीषण ट्रैफिक जाम लगना पिछली सरकार के समय दिए गए अवैध कब्जों का नतीजा है। प्राकृतिक जल निकायों का व्यवसायीकरण करने और पानी के बहाव को रोकने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने अवैध निर्माणों के खिलाफ राज्य में चल रहे कड़े बुलडोजर/डिमोलिशन अभियान का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा, जो लोग 100 करोड़ रुपये प्रति एकड़ जमीन बेचने की डींगें मारते थे, उन्हें अब जलमग्न कॉलोनियों के लिए जवाब देना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान अंबरपेट में बतुकम्मा कुंटा जैसे तालाबों के तल को राजनीतिक नेताओं को सौंप दिया गया था।मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि सरकार ने राजेंद्रनगर, कुकटपल्ली (नल्ला चेरुवु) और अंबरपेट में जल निकायों को सफलतापूर्वक खाली और पुनर्स्थापित कर दिया है। इसके साथ ही, गंडिपेट और हिमायत सागर जलाशयों पर कब्जा करने वाले हाई-प्रोफाइल लोगों के खिलाफ बेदखली के नोटिस की कार्रवाई चल रही है।मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इन खाली कराए गए क्षेत्रों को ऐसे ही नहीं छोड़ा जाएगा, बल्कि इन्हें एक सुनियोजित 'लेक इकोनॉमी में बदला जाएगा। इस पहल के तहत प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल किया जाएगा और पुनर्जीवित किए गए तालाबों के किनारों पर विनियमित व्यावसायिक अवसर पैदा करके स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए विशेष पूजन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुमेरात बाजार स्थित श्री नंदीश्वर गणेश महाराज मंदिर में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं राष्ट्रसेवा में निरंतर सफलता की कामना के साथ विशेष पूजन एवं प्रार्थना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भगवान श्री गणेश महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की गई। साथ ही राष्ट्र की उन्नति, समृद्धि, शांति तथा जनकल्याण के लिए विशेष प्रार्थनाएं भी की गईं। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्यजनों ने देश की प्रगति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय विकास के लिए प्रार्थना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र के निरंतर विकास की कामना की।उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा एवं विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामना व्यक्त की। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

इस अवसर पर गोशामहल मंडल अध्यक्ष सोमराज सिंह, आला पुरुषोत्तम, कमल सिंह, नरहरी, नवीन अग्रवाल, रघु, महामंत्री जयपाल सिंह, राकेश अग्रवाल तथा प्रशांत कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर धार्मिक सेल द्वारा विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने पर भाग्यनगर धार्मिक सेल द्वारा उनके उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए कई मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया और उसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया गया। इस पावन अवसर पर धार्मिक सेल भाग्यनगर जिला के राज्य संयुक्त संयोजक डॉ. प्रशांत नीमकर, भाग्यनगर जिला अध्यक्ष जे. निरंजन यादव, भाग्यनगर जिला सह-संयोजक वी. वेदव्रत गौड़, भाग्यनगर जिला संयुक्त संयोजक सीएच सुधीर, लक्ष्मण व मधुसूदन तथा भाग्यनगर जिला के कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सेवा और सहयोग से ही सार्थक हो रहा है राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की स्थापना जिस उद्देश्य और सेवा संकल्प को लेकर की गई थी, वह आज पूरी तरह सार्थक होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और परोपकार की भावना को आगे बढ़ाने वाला एक परिवार है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की निरंतर सफलता और विस्तार के पीछे उन सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान है जो प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस सेवा अभियान से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक सदस्य अपने सामर्थ्य के अनुसार समय, श्रम और संसाधनों का योगदान देकर इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ा रहा है। यही सामूहिक प्रयास संस्था की सबसे बड़ी शक्ति है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज में संवेदनाएं कम होती जा रही हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दे रहा है। प्रतिदिन आयोजित होने वाले अन्नदान कार्यक्रम न केवल भूखों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, बल्कि समाज में परस्पर प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को भी मजबूत करते हैं।

महेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके पद, प्रतिष्ठा या संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए सेवा कार्यों से होती है। जरूरतमंदों की सहायता करना और उनके जीवन में खुशियां लाना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आह्वान किया कि वे भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया तथा राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की सराहना की।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरसुवाले, विनोद तोषणीवाल, मोहित अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

चंद्रबाबू ने निर्वाचित पीएम के तौर पर 4,399 दिन पूरे करने पर मोदी को बधाई दी

विजयवाड़ा, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर 4,399 दिन पूरे करने पर नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। श्री नायडू ने बुधवार को यहां एक संदेश में कहा, कुछ नेता देश पर राज करते हैं। कुछ उसकी दिशा बदलते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल में लगातार 4,399 दिन भारत के नागरिकों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से लेकर दुनिया में देश की पहचान तक, हर स्तर पर भारत को बदलने की एक खास कोशिश से पहचाने गए हैं।उन्होंने कहा , आज जब वह भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने हैं, हम सिर्फ़ एक रिकॉर्ड का ही जश्न नहीं मना रहे हैं, बल्कि बदलाव के एक ऐसे दौर का भी जश्न मना रहे हैं जिसने देश के हर कोने को छुआ है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 का स्थानकवासी साध्वीवृंद से सौहार्दपूर्ण मिलन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुनि श्री दीप कुमारजी ठाणा-2 विहार करते हुए हिमायतनगर की ओर पधार रहे थे। मार्ग में डी.वी. कॉलोनी स्थित गुजराती संप्रदाय के स्थानकवासी साध्वीवृंद से उनका सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय मिलन हुआ। साध्वीजी के विनम्र अनुरोध पर मुनि श्री उनके प्रवास स्थल स्थानक में पधारे, जहां दोनों संत परंपराओं के मध्य अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में धर्म, अध्यात्म एवं साधना से जुड़े विभिन्न विषयों पर सारगर्भित चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर संतों ने धर्म के मूल सिद्धांतों, आध्यात्मिक उन्नति, आत्मकल्याण तथा समाज में धार्मिक मूल्यों के संवर्धन जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। संतों के मध्य हुआ यह संवाद उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए भी प्रेरणादायक रहा।

मिलन के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने संतों के दर्शन एवं सान्निध्य का लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर धर्मभावना से ओत-प्रोत वातावरण का अनुभव करते हुए इसे अविस्मरणीय क्षण बताया।

यह सौहार्दपूर्ण मिलन आपसी सम्मान, धार्मिक समन्वय एवं सद्भावना का सुंदर उदाहरण बनकर उपस्थित जनसमुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह गिरफ्तार, राजमार्गों पर लूटपाट के तीन मामलों का खुलासा

मदनूर, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर पुलिस ने राजमार्गों पर अकेले यात्रा करने वाले लोगों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले एक अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोटरसाइकिलें, चार मोबाइल फोन तथा लूट की घटनाओं में इस्तेमाल किए जाने वाले तीन चाकू बरामद किए हैं।

बांसवाड़ा के डीएसपी श्री बी. विट्ठल रेड्डी ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कामारेड्डी जिले के मदनूर, जुक्कल और निजामसागर थाना क्षेत्रों में राजमार्गों पर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह को गिरफ्तार कर तीन महत्वपूर्ण मामलों का खुलासा किया गया है।

पुलिस के अनुसार, देगलूर (महाराष्ट्र) निवासी शेख गौस राष्ट्रीय राजमार्ग-161 पर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें रोककर चाकू दिखाया और उनका मोबाइल फोन तथा 1,000 रुपये नकद लूट लिए। इस संबंध में मदनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जिला पुलिस अधीक्षक एम. राजेश चंद्र (आईपीएस) के निर्देश तथा डीएसपी बी. विट्ठल रेड्डी के पर्यवेक्षण में बिचकुंडा सर्किल इंस्पेक्टर रविकुमार, मदनूर एसआई मोहन रेड्डी एवं सीसीएस एसआई उस्मान के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

जांच में आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के निवासी शेख इलियास, मोहम्मद इस्माइल उर्फ जुनैद तथा समीर शाह के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राजमार्गों पर अकेले यात्रा करने वाले लोगों को निशाना बनाकर घातक हथियारों से धमकाते थे और नकदी, मोबाइल फोन तथा वाहन लूट लेते थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी 1 जून 2026 को नांदेड़ से एक मोटरसाइकिल पर निकले और मदनूर क्षेत्र में शेख गौस को लूट लिया। उसी रात जुक्कल चौराहे पर उन्होंने वी. श्रीनिवासन को चाकू दिखाकर उनका मोबाइल फोन एवं 300 रुपये नकद छीन लिए। इसके बाद निजामसागर क्षेत्र में चकली राजू से एक पल्सर मोटरसाइकिल भी लूट ली।

इन तीनों घटनाओं के संबंध में मदनूर, जुक्कल और निजामसागर पुलिस थानों में अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच की जा रही है।

डीएसपी बी. विट्ठल रेड्डी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि राजमार्गों पर यात्रा करते समय सतर्क रहें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति अथवा अवैध गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल डायल-100 पर सूचना दें या निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

पुरुषोत्तम मास के अंतिम मंगलवार पर संगीतमय सुंदरकांड का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 10 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर अंतिम मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह, मनोहर सिंह एवं उनके परिवार द्वारा कर्मनघाट स्थित हनुमान मंदिर परिसर में संगीतमय सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत श्री गणेश पूजन तथा श्रीराम दरबार एवं भगवान हनुमानजी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात श्रद्धा एवं भक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में संगीतमय सुंदरकांड का पाठ संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता निभाई।

सुंदरकांड पाठ के उपरांत महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी के जयघोष के साथ धर्मलाभ प्राप्त किया। इसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर एन.के. सिंह, मनोहर सिंह, संदीप, सूरज, आदित्य, एन.के. अग्रवाल, ओ.पी. सिंह, कैलाश सिंह, वी.सी. दुबे, एस.एस. यादव, महेश गुडवानी, रमेश काबरा, सुनील शर्मा, भास्कर, विनोद तिवारी, राजकुमार पांडेय, उमेश गुप्ता, पी. सुरेश सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य संपन्न हुआ तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री महावीरप्रसादजी मोदी
महालक्ष्मी ज्वेलर्स एंड पर्ल्स सिद्दिअम्बर बाज़ार
समस्त मोदी परिवार द्वारा सेवा
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.